mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-61 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

सतना
03 मार्च 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

मुंबई इंडियंस को...

@ पेज 7

मार्च में बारिश और बर्फबारी का दौर, देश के हिस्से में अभी से बढ़ गया पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च का महीना शुरू हो गया और अभी भी बर्फबारी का दौर चल रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हो रही है। बर्फबारी

● झुलसा रही गर्मी, तापमान पहुंचा 38 के पार

और लैंडस्लाइडिंग की वजह से हिमाचल कई सड़के बंद कर दी गई हैं। कई पर्यटक खराब मौसम के चलते फंस गए हैं।

उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी मौसम में खासा बदलाव आया है। पिछले एक-दो दिन में दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और पंजाब में बारिश के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, दूसरी ओर ओडिशा में मार्च के महीने में रिकॉर्ड तापमान दर्ज किया जा रहा है। अभी से लोगों को गर्मी झुलसाने लगी है।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को सुबह धुंध छाए रहने और अधिकतम तापमान के 29 डिग्री सेल्सियस पहुंचने तथा न्यूनतम तापमान के 13 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर तीन मार्च को भारी बारिश और बर्फबारी के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। मौसम का यह अलर्ट ऐसे वक्त जारी किया गया है जब राज्य में ज्यादातर जगहों पर मौसम शुष्क है और रविवार को अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 26, 27 और 28 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी और बारिश के प्रभाव के कारण 3 मार्च को चंबा, कांगड़ा और लाहौल एवं स्पीति के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है।

वहीं, ओडिशा में गर्मी का कहर बढ़ता जा रहा है। राज्य के तीन प्रमुख शहरों में तापमान ने 38 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा पार कर लिया है। इन शहरों में टिटलागढ़, झारसुगुड़ा और बलांगीर शामिल हैं। जहां लोगों को चिलचिलाती धूप को बर्दाश्त करना मुश्किल हो गया है।मौसम विभाग के द्वारा जारी बयान के मुताबिक, टिटलागढ़ में सबसे ज्यादा तापमान रिकॉर्ड किया गया है, जो कि 38.5 डिग्री सेल्सियस था। वहीं, दूसरे स्थान पर झारसुगुड़ा रहा है।

जहां का तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बलांगीर में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ओडिशा के झारसुगुड़ा में सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस, हीराकुद में 3.9 डिग्री सेल्सियस और संबलपुर में 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में अगले 5 दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं देखने मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने मांगी मदद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पहली बार खुद को संकट से उबारने के लिए वैश्विक मदद मांगी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की अपील की है। समाचार पत्र 'डॉन' ने बताया

कि 'टाइम' पत्रिका में खान के नाम से प्रकाशित एक लेख में नेता ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ''राजनीतिक वापसी'' के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आर्थिक साझेदारी एवं स्थिरता को प्रोत्साहित करने और संघर्ष एवं उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह लेख वास्तव में खान ने लिखा है या नहीं और इसे पत्रिका तक कैसे पहुंचाया गया। खान ने पाकिस्तान में ''राजनीतिक उथल-पुथल'' और लोकतंत्र के लिए अपनी लड़ाई का लेख में जिक्र किया। उन्होंने देश में लोकतंत्र के कथित क्षरण पर गहरी चिंता व्यक्त की और वर्तमान समय को देश के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में से एक बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कदमों के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ आरोप लगाए गए।

यूक्रेन युद्ध विराम का नया खाका तैयार

ब्रिटेन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के प्रेसिडेंट व्लादिमिर जेलेंस्की के बीच शुक्रवार को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में जोरदार बहस के बाद यूक्रेन युद्ध विराम का खाका तैयार किया जाने लगा है। इस वक्त जेलेंस्की ब्रिटेन

में हैं और उन्हें ब्रिटेन, फ्रांस समेत पूरे यूरोप का समर्थन मिल रहा है। ब्रिटेन ने आखिरी दम तक यूक्रेन के साथ खड़ा होने का वादा किया है। इससे जेलेंस्की का हौसला बढ़ा है। अब यूक्रेन युद्ध विराम योजना को लेकर ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन नया खाका तैयार कर रहे हैं। युद्ध विराम योजना पर काम करने को लेकर तीनों देशों के बीच सहमति बन गई है। प्रस्ताव तैयार होने के बाद इसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। बता दें कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने यह जानकारी दी। स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि उनका मानना ??है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं। उन्होंने अपना यह दावा दोहराया कि इसे कायम रखने के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता होगी। ये इसकी बड़ी शर्त है। स्टॉर्मर यूक्रेन पर चर्चा के लिए रविवार को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं।

बिहार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाली केंद्रीय विद्यालय की शिक्षिका पर कार्रवाई

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ के पास माणा गांव में शुक्रवार को हिमस्खलन की घटना हुई। सीमा सड़क संगठन के शिविर पर हुए हिमस्खलन में लापता चार मजदूरों को ढूंढने के लिए खोजी कुत्तों, थर्मल इमेजिंग कैमरों और हेलीकॉप्टरों की मदद ली गई।

रविवार को जारी बचाव अभियान के दौरान चारों मजदूरों के शव बरामद हुए हैं। गोपेश्वर में स्थानीय प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, माणा हिमस्खलन स्थल से 4 शव बरामद हुए हैं। रविवार को 4 शव बरामद होने के साथ ही हादसे में मरने वाले मजदूरों की संख्या 8 हो गई है। शुक्रवार को हुए हादसे के बाद घटनास्थल से बाहर निकाले गए 50 मजदूरों में से 4 की मौत की पुष्टि शनिवार को हुई थी। रविवार को बरामद मृतकों के शवों को हेलीकॉप्टर से ज्योतिर्मठ लाया गया। सभी शवों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। हिमस्खल में जिन मजदूरों के शव बरामद हुए हैं, उनकी पहचान उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर के रहने वाले अनिल कुमार (21), उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के अशोक (28) और हिमाचल प्रदेश के ऊना के हरमेश चंद (30) के रूप में हुई है। एक अन्य लापता की तलाश जारी है, जिसका नाम अरविंद (43) बताया जा रहा है। अरविंद देहरादून क्लेमेनटाउन क्षेत्र का रहने वाला है। बता दें कि भारत-चीन सीमा पर करीब 3,200 मीटर की उंचाई पर स्थित आखिरी गांव माणा में हिमस्खलन होने से बीआरओ शिविर में 8 कंटेनरों में रह रहे सीमा सड़क संगठन के 54 मजूदर बर्फ में फंस गए थे। फंसे मजदूरों की संख्या पहले 55 बताई जा रही थी, लेकिन एक मजदूर के हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा स्थित अपने घर सुरक्षित पहुंच जाने की सूचना मिलने के बाद यह संख्या 54 रह गई।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा-

हिंदुओं को मुसलमानों और ईसाई से नहीं बल्कि लेफ्ट से ज्यादा खतरा

कोलकाता (एजेंसी)। हिंदुओं को मुसलमानों और ईसाई से नहीं बल्कि लेफ्ट (वामपंथी) और लिबरल (उदारवादी) लोगों से ज्यादा खतरा है। यह कहना है असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का। ने रविवार को आरोप लगाया कि वामपंथी और उदारवादी हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। शर्मा ने दावा किया कि मुसलमान या ईसाई कभी भी हिंदुओं के लिए खतरा नहीं हैं बल्कि हिंदुओं को कमजोर करने वाले लोग उनके अपने समाज में ही हैं। उन्होंने यहां एक निजी संगठन के पुरस्कार समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मेरा मानना ??है कि वामपंथी और उदारवादी लोग हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।'' शर्मा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का कमजोर करने की प्रवृति (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को वामपंथियों और उदारवादियों से विरासत में मिली है।'' शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि भारत की सभ्यता 5,000 वर्ष से अधिक पुरानी है और इसकी शुरुआत 1947 में देश की आजादी के साथ नहीं हुई।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत ''स्वाभाविक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र'' है तथा किसी को भी इसे सहिष्णुता और भाईचारे के गुण सिखाने की जरूरत नहीं है। इस संबोधन का वीडियो उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर शेयर किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर राहुल गांधी या ममता बनर्जी सोचती हैं कि हिंदुओं का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, तो उन्हें पता होना चाहिए कि हिंदू हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया, ''असम में हिंदुओं का प्रतिशत घटकर 58 प्रतिशत रह गया है, जबकि पश्चिम बंगाल में हो सकता है कि यह समुदाय घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गया हो।'' उन्होंने कहा कि हिंदू सभ्यता बनी रहेगी और फूलती-फलती रहेगी। शर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत सभी क्षेत्रों में तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा,''राम मंदिर 500 साल बाद बना है> अब समय आ गया है कि (मौजूदा) वक्फ कानून को खत्म कर दिया जाए।'' उन्होंने कहा कि तीन तलाक को पहले ही समाप्त कर दिया गया है और देश में समान नागरिक संहिता लागू होने के संकेत भी दिखने लगे हैं।

दिल्ली में ऊंची इमारतों पर 'एंटी-स्मॉग गन' अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए सभी ऊंची इमारतों, होटलों, वाणिज्यिक परिसरों और हवाईअड्डों तथा निर्माण स्थलों जैसे प्रमुख प्रतिष्ठानों में 'एंटी-स्मॉग गन' लगाना अनिवार्य होगा। सिरसा ने कहा कि दूसरों से कार्रवाई की अपेक्षा करने से पहले दिल्ली को अपनी व्यवस्था में सुधार करना होगा। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित विभागों को प्रदूषण से निपटने के लिए एक विस्तृत खाका तैयार करने का निर्देश दिया और राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में दिल्ली हवाई अड्डे सहित अन्य प्रमुख स्थलों की भूमिका पर डेटा मांगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए सिरसा ने कड़े प्रदूषण नियंत्रण उपायों की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो नए कानून लाए जाएंगे। दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर इसे रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की जमीन पर जालसाजों ने किया कब्जा !

शिकायत दर्ज, जांच शुरू

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस के सीनियर नेता और दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं! दरअसल उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले में जालसाजों ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की एक जमीन पर कब्जा कर लिया और उसे कथित तौर पर बेच दिया। एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि मामले की जांच की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक, दिग्विजय की जमीन की देखभाल करने वाले अनिल यादव ने जिलाधिकारी, उप-जिलाधिकारी और पुलिस के पास शुक्रवार को इस सिलसिले में शिकायत दर्ज कराई। यादव ने कहा कि जब जमीन पर अवैध निर्माण शुरू हुआ, तब उसे मामले का पता चला।

प्लॉट संख्या 1335 दिग्विजय सिंह के नाम पर दर्ज अधिकारी के अनुसार, अंबेडकरनगर जिले की आलापुर तहसील के राम नगर महुवर गांव में 0.152 हेक्टेयर भूखंड (प्लॉट संख्या 1335) दिग्विजय के नाम पर दर्ज है। उन्होंने बताया कि पहले यह जमीन दिग्विजय की मां अपर्णा कुमारी के नाम पर दर्ज थी, लेकिन 18 फरवरी 1986 को उनकी मौत के बाद दिग्विजय ने विरासत के लिए आवेदन किया और फिर 18 मई 2024 को जमीन उनके नाम पर पंजीकृत हो गई। यादव ने तहसील प्रशासन और पुलिस को बताया

कि आलापुर तहसील के केवटला गांव के रहने वाले राम हरक चौहान ने 1989 में खुद को दिग्विजय बताकर सेवानिवृत्त अपर पुलिस अधीक्षक जियालाल और राम नगर महुवार गांव निवासी राजबहादुर तथा मंगली को जमीन हस्तांतरित कर दी। खरीदारों के परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार को जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया, जिसके बाद यादव ने शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि तहसील प्रशासन ने निर्माण कार्य रोक दिया है और भूमि रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी गई है। आलापुर तहसील के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भूमि अभी भी आधिकारिक तौर पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नाम पर पंजीकृत है।

'भ्रम में हैं मेरी निष्ठा पर सवाल उठाने वाले'

अटकलों पर डी के शिवकुमार का बयान

उडुपी (एजेंसी)। कर्नाटक में तमाम सियासी अटकलों को विराम देते हुए उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने आज चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस के वफादार कार्यकर्ता हैं तथा पार्टी और गांधी परिवार के प्रति कोई उनकी निष्ठा पर सवाल उठाता है तो वह भ्रम में है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी राज्य में 2028 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापस आएगी।

शिवकुमार हाल में दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेताओं के साथ हुई अपनी बैठक और इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव के संबंध में राजनीतिक हलकों, विशेषकर सत्तारूढ़ पार्टी में चर्चाओं के बारे में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। शिवकुमार ने कहा, ''मैंने कोई शर्त नहीं रखी है और कोई शर्त रखने की जरूरत भी नहीं है। मैं एक कार्यकर्ता हूं, पार्टी जो कहती है, मैं उसके अनुसार काम करता हूं। शर्तें रखना या ब्लैकमेल करना मेरे खून में नहीं है। मैं कांग्रेस का वफादार कार्यकर्ता हूं।'' शिवकुमार ने यह बात उनकी दिल्ली यात्रा और पार्टी नेताओं पर कुछ शर्तें रखने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब

में कही। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''अगर कोई भी, चाहे वह किसी भी पार्टी से हो, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर सवाल उठाता है, तो यह उसका भ्रम है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या ढाई साल के सत्ता बंटवारे के 'फॉर्मूले' के बारे में अटकलें झूठी हैं, शिवकुमार ने केवल इतना कहा, ''मैं केवल 2028 में ही इस पर कह सकता हूं। कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापस आएगी।'' कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं और उन्होंने इस पद को लेकर अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से छुपाया नहीं है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी तथा कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही एवं उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया।

दिल्ली की महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2,500 रुपये

8 मार्च से होंगे रजिस्ट्रेशन

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली की भाजपा सरकार चुनाव के दौरान किये गए अपने वादे को निभाने के लिए कृत संकल्पित है। भाजपा ने चुनाव से पहले महिला सम्मान योजना का ऐलान किया था और कहा था कि महिलाओं को 2,500 रुपये हर महीने देगी। इस वादे को निभाने के लिए महिला सम्मान योजना की रजिस्ट्रेशन की तारीख का आज ऐलान हो चुका है। इस ऐलान के मुताबिक इस योजना के लिए आठ मार्च से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने रविवार को ये घोषणा की है।

दिल्ली में महिला सम्मान योजना की शुरुआत मार्च के पहले सप्ताह से हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस स्कीम की शुरुआत महिला दिवस यानी आठ मार्च से हो सकती है और महिलाओं के खाते में 2,500 रुपये इसी दिन से भेजे जाएंगे। ये भी कहा जा रहा है

कि इस योजना की शुरुआत दिल्ली सरकार जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में कर सकती है।

योजना का लाभ नहीं मिलेगा¬ वे महिलाएं जो सरकारी नौकरी करती हैं उन्हें इस स्कीम का लाभ नहीं मिलेगा। वे महिलाएं जो इनकम टैक्स का रिटर्न दाखिल करती हैं उन्हें भी इस इस स्कीम का लाभ नहीं दिया जाएगा। जो महिलाएं पेंशन का लाभ ले रही हैं वे भी इस स्कीम के लाभ से वंचित रह सकती हैं।

मिलेगा योजना का लाभ¬ इस स्कीम का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को दिया जाएगा। यह स्कीम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए है। 2500 रुपये की इस राशि को सीधे महिलाओं के खाते में ट्रांसफर किया जाएगा।

चेकिंग में लगे पुलिसकर्मी की कनपटी पर रखी बंदूक, उसी की बाइक लेकर फरार हुए बदमाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बदमाशों का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस के एक कांस्टेबल से बंदूक के दम पर बदमाशों ने बाइक लूट ली। हालांकि बाइक लूटने वाले दो बदमाश उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 26 फरवरी को उस समय हुई जब कांस्टेबल दिनेश और संदीप आउटर रिंग रोड पर मोटरसाइकिल पर गश्त कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास तेज गति से आ रही कार का पीछा किया। कार रुकने के बाद उसमें सवार तीन लोगों को वाहन की जांच कराने को कहा। इस पर तीनों आरोपी बात मानने के बजाय अलग-अलग दिशाओं में भाग गए। पुलिस के अनुसार, दिनेश ने पीछा किया और बाइक पर सवार होकर उनमें से एक को पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को काबू करने का प्रयास करते समय एक अन्य व्यक्ति ने दिनेश के सिर पर बंदूक तानकर उसे धमकाया तथा उससे उसके साथी को छोड़ने को कहा। पुलिस के अनुसार, दिनेश ने उसकी बात मान ली और संदिग्ध अपनी कार छोड़कर बाइक पर भाग गए।

खेती का रकबा दोगुना करने के लिए ऐतिहासिक फैसले ले रही सरकार-मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर निर्णय लेती जा रही है। पहले केन बेतवा समेत कई नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम किया गया, जिससे किसानों की खेती और खेती का रकबा मध्यप्रदेश में डबल किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव उज्जैन में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं को खरीदने के लिए 2600 रुपए प्रति क्विंटल की राशि न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में निर्धारित की गई। समर्थन मूल्य के अलावा किसानों को भुगतान के लिए 175 रुपए बोनस देने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह राज्य सरकार अब धान उपार्जन के लिए प्रति हेक्टेयर 4000 रुपए की राशि किसानों के खाते में डालने जा रही है। सभी किसान भाइयों के खाते में राशि मार्च में ही राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन-जिन किसान भाइयों ने उत्पादित धान का उपार्जन करवाया है और निर्धारित कार्रवाई पूरी की है, उनके खातों में पैसे आने वाले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार निर्धारित संकल्प पत्र के आधार पर जनता को आवश्यक सुविधा देती जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान भाइयों को भी उसी प्रकार के आधार पर सौगात दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उज्जैन हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत भी उज्जैन पहुंचे।मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत का उज्जैन पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत का संभाग आयुक्त श्री संजय गुप्ता आईजी श्री उमेश जोगा, प्रभारी कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप कुमार शर्मा ने गुलदस्ता भेंट कर अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विधायक श्री अनिल जैन, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती दीदी, महापौर श्री मुकेश टटवाल ने स्वागत किया। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया।

मध्यप्रदेश फार्मर आईडी जनरेट करने में प्रथम स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत मध्यप्रदेश में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई है। इसमें प्रत्येक किसान के लिए एक यूनिक फार्मर आईडी बनाया जा रहा है। प्रदेश में कुल 95 लाख 18 हजार 752 प्रधानमंत्री किसान योजना के हितग्राही हैं। इसमें अब तक 56 लाख 85 हजार 337 कुल 59.73 प्रतिशत किसानों ने अपना पंजीयन करा लिया है। अब तक 56 लाख 82 हजार 234 आईडी भी जनरेट हो चुकी है। फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों का एक डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इससे किसानों को आसान ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। अन्य योजनाओं के लिये भूमि, फसल एवं कृषकों की जानकारी का सत्यापन इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकेगा। इसमें भौतिक दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। फार्मर रजिस्ट्री नवाचार में जिला कलेक्टरों द्वारा राजस्व अमले एवं कृषकों के सहयोग से कैम्प का आयोजन कर प्रदेश में 57 लाख से अधिक फार्मर आईडी बनाये जा चुके हैं। भारत सरकार की स्पेशल सेन्ट्रल असिसटेंस योजना में प्रदेश को राशि रुपये 297 करोड़ प्राप्त हो रही है। फार्मर रजिस्ट्री के तहत फार्मर आईडी जनरेट करने में मध्यप्रदेश का देश में प्रथम स्थान हैं। गुजरात दूसरे, महाराष्ट्र तीसरे, आंध्रप्रदेश चौथे और उत्तर प्रदेश पाँचवे स्थान पर है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जनसुनवाई में समस्याओं का किया त्वरित निराकरण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को अपने ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित सरकारी कार्यालय में जनसुनवाई कर समस्याओं का निराकरण किया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश देते हुए समस्याओं का निदान निर्धारित समय सीमा में करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जनसुनवाई में आई जरुरतमंद महिलाओं को तत्काल राशन दिलाने और वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन तथा मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने मुलाकात करने आए लोगों को आश्वस्त किया कि यह सेवक किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस दिशा में सरकार सतत प्रयत्नशील है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने क्रमवार एक-एक आवेदक के पास जाकर उनकी समस्याएँ सुनीं और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मोबाइल फोन से संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए समस्याओं के निराकरण में किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की हिदायत दी। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री श्री तोमर द्वारा आमजन की बिजली, पानी व राशन से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए जनसुनवाई की जाती है।

राष्ट्रीय शोधार्थी समागम भारतीय दृष्टि से शोध एवं अनुसंधान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा-उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है और भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, नदियों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के लिए, कृतज्ञता भाव से समृद्ध परम्पराओं को स्थापित किया था। भारत का ज्ञान, ज्ञान परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर, भारतीय समाज में परंपराएं एवं मान्यताएं स्थापित हुई हैं। हर विधा-हर क्षेत्र में विद्यमान भारतीय ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में नए सन्दर्भों में, पुनः शोध एवं अनुसंधान कर वर्तमान वैश्विक आवश्यकतानुरूप दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है।

यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शनिवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल के तत्वावधान में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के डॉ. जगदीश चंद्र बसु सभागृह में आयोजित भारत के पुनरुत्थान के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की पहल विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के शुभारंभ सत्र में कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि शोधार्थियों को समाज के प्रश्नों का समाधानकारक शोध करने की आवश्यकता है। शोधार्थियों के शोध का प्रभाव, समाज के दृष्टि पटल पर परिलक्षित होना चाहिए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के आयोजन एवं सफलता के लिए आयोजकों एवं सहभागियों को शुभकामनाएं दीं। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसरण में भारत केंद्रित शिक्षा के लिए यह समागम उपयोगी होगा। यह समागम, प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध एवं अनुसंधान के लिए अभिप्रेरक बनेगा। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शोधार्थी समागम भारतीय दृष्टि से शोध एवं अनुसंधान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में भारत केंद्रित शिक्षा की महती भूमिका होगी। भारत को विश्व मंच पर पुनः सिरमौर बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सारस्वत अतिथि सिद्धपीठ श्री हनुमन निवास अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा, अतीत के कालखंडों में गुरुकुल शिक्षा पद्धति के नष्ट किए जाने से विलोपित हुई है। गुरुकुल शिक्षा पद्धति में पहली कक्षा से ही शोध किया जाना प्रारंभ हो जाता था। आचार्य ने कहा कि वेदों में, भारतीय ज्ञान परम्परा विद्यमान है। शोध के लिए मौलिकता की ओर वापस लौटना होगा। आचार्य ने कहा कि राष्ट्र, विचार परम्परा से नहीं बल्कि विश्वास परम्परा से संचालित होता है। शोध के लिए विश्वास परम्परा की ओर लौटने की आवश्यकता है।

बीज वक्ता के रूप में प्रखर राष्ट्रवादी विचारक एवं लेखक श्री मुकुल कानिटकर ने कहा कि राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए, श्रेष्ठ व्यक्ति निर्माण आवश्यक है।

वास्तव में स्वयं का निर्माण करने वाले ही राष्ट्र पुनर्निर्माण में सहभागिता कर सकते हैं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-आईईएस यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आईईएस यूनिवर्सिटी भोपाल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद और मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। पहले दिन छात्रों के लिए विशेष सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार में एएमपीआरआई भोपाल के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. संदीप सिंघई और मैनिट भोपाल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद तौफिक ने व्याख्यान दिए। विशेषज्ञों ने छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के रोचक तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने भौतिकी के मूल सिद्धांतों और आइंस्टीन के सिद्धांतों की जानकारी दी। दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन संबोधित किया। इस दिन साइंस मॉडल और रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर आईईएस यूनिवर्सिटी के सीईओ देवांश सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया। साथ ही छात्रों से तकनीकी ज्ञान का विकास करने और समाज कल्याण के लिए विज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट में रोबोटिक्स और एआई पर कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (ओआईएसटी) में रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्रों को रोबोटिक सिस्टम के डिजाइन और प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में छात्रों को एआई-आधारित रोबोटिक्स के वास्तविक अनुप्रयोगों पर काम करने का मौका मिला। इंटरेक्टिव सत्रों के जरिए छात्रों ने स्वचालन और मशीन लर्निंग के बारे में सीखा। इसके अलावा रोबोटिक नियंत्रण तंत्र की जानकारी भी दी गई। कार्यशाला से छात्रों की तकनीकी दक्षता बढ़ी और उनकी समस्या समाधान की क्षमता में सुधार हुआ।

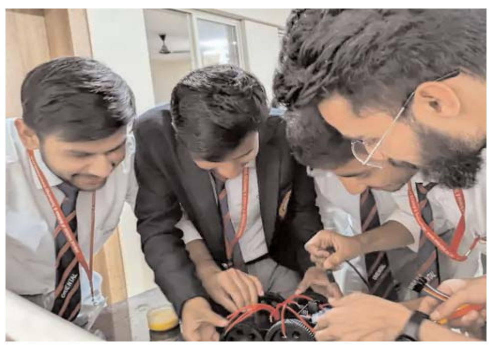

जेसी मिल मजदूरों का सपना होगा साकार, जल्द मिलेगा हक-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को उपनगर ग्वालियर के वार्ड 16 में प्रस्तावित निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस मौके पर उन्होंने ग्वालियर को स्वच्छ, सुन्दर, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जेसी मिल मजदूरों का हक जल्द मिलेगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जहां स्वच्छता होती है, वहां लक्ष्मी का वास होता है। आज इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है और यही वजह है कि वहां मां लक्ष्मी की कृपा बरस रही है। हमें ग्वालियर को स्वच्छता में नंबर एक बनाना है। उन्होंने कहा कि जल्द ही जेसी मिल के मजदूरों का सपना साकार होने जा रहा है। उन्हें उनका हक मिलेगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बिरला नगर में 100 बिस्तर वाले प्रसूति गृह के शीघ्र निर्माण कार्य पूरा होने की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां जल्दी ही बाउंड्री वॉल बनाई जाएगी और इस मैदान का उपयोग गरीब परिवारों के विवाह समारोह आदि के लिए किया जाएगा। साथ ही ओपन जिम बनाने की भी योजना है। इससे हमारे नौजवान स्वस्थ रहेंगे। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि अब रेशम मिल इलाके में पानी की किल्लत नहीं रही है। आज स्थितियां बदल गई हैं। इस क्षेत्र में स्कूल भी बनकर तैयार हो गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड 16 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने रेशम मिल चौराहे पर 8 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड, रेशम मिल क्षेत्र में पानी की टंकी के नीचे 12 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली सीसी रोड और तिकोनिया पार्क न्यू कॉलोनी नम्बर-1 में 6.50 लाख की लागत से निर्मित होने वाली गलियों के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया।

एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट राशि अभिदाता के खाते में जमा होगें-उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाताओं के खातों में जमा करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अशंदायी पेंशन योजना में मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाता के खातों में जमा किये जायेगें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया है कि अभिदाताओं के खातों में मिसिंग क्रेडिट की राशि जमा करने के लिये 15 मार्च 2025 तक विशेष अभियान चलेगा। इस संबंध में विभागीय स्तर पर निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं। राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा के पदों पर एक जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त होने वाले शासकीय सेवकों पर अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। इसमें शासकीय सेवकों के वेतन से कर्मचारी अंशदान एवं शासकीय अंशदान संबंधित के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नम्बर (प्रान) में जमा किया जाता है। ऐसे शासकीय कर्मचारी, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं और उनके अंशदान उनके प्रान में जमा नहीं हुए है, ऐसे प्रकरणों में मिसिंग क्रेडिट (गुमसुदा कटौत्री) की समस्या होती है। गुमशुदा कटौत्री की समस्या के समाधान के लिए संचालनालय कोष एवं लेखा ?द्वारा आईएफएमआईएस में सुविधा विकसित की गयी है। ऐसे शासकीय सेवक, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ है, उनके अंशदान के चालानों का विवरण कोषालय अधिकारी द्वारा आईएफएमआईएस में भरा जायेगा एवं रिफण्ड देयक तैयार कर अंशदान जमा करने की कार्यवाही की जाएगी। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी वल्लभ भवन श्री राजीव सिंह पवैया ने बताया कि वल्लभ कोषालय द्वारा जो भी प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक जिनके द्वारा चालान भारतीय स्टेट बैंक की टी.टी.नगर, जहांगीराबाद,एम.पी.नगर, पंचानन, एवं बरखेड़ी की शाखाओं में जमा किये जायेगे उनका चालान का सत्यापन बल्लभ भवन कोषालय सतपुड़ा भवन द्वारा

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना की जागरूकता के लिए निकाली गई जनचेतना पदयात्रा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आम जनता को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना की जागरूकता के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल से जनचेतना पदयात्रा निकाली गई । इस अवसर पर नगर पालिक निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, अध्यक्ष फार्मेसी काउंसिल श्री संजय जैन, पार्षद श्रीमती ब्रजला सचान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी सहित अधिकारी, कर्मचारी, छात्र छात्राएं एवं नागरिक शामिल हुए। जन औषधि सप्ताह 1 से 7 मार्च के बीच मनाया जा रहा है। सप्ताह के दौरान सेमिनार , स्वास्थ्य शिविरों सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्री कृष्णा सूर्यवंशी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से भर्ती होने पर 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार करवाने की व्यवस्था की गई है। इसी के साथ आमजन को सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली दवाइयां मिल सके, इसके लिए जन औषधि परियोजना भी चलाई जा रही है। ब्रांडेड दवाइयां की तुलना में इन दवाइयों की कीमत बेहद कम है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि जन औषधि केंद्र मरीज के दवाइयों के खर्च कम करने में उपयोगी तो हैं ही, साथ ही स्वरोजगार के लिए भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन केंद्रों को खोलकर आजीविका के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य सेवा भी की जा सकती है। भोपाल में 28 जनऔषधि केंद्र संचालित है। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में अखिल भारतीय विज्ञान संस्थान, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एवं जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

अध्यक्ष फार्मेसी काउंसिल श्री संजय जैन ने कहा कि योजना का उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है, जो महंगी दवाओं के कारण आवश्यक उपचार का खर्च नहीं उठा सकते हैं। फार्मेसी काउंसिल के माध्यम से इस योजना के उद्देश्यों को जनजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में 15000 से अधिक जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों पर 2000 से अधिक दवाइयां और 300 से अधिक सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों में सस्ती किंतु गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध होती हैं।

पांच दिवसीय मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल के मार्गदर्शन तथा श्री सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा न्यायाधीशगण के लिए 5 दिवसीय मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन पलाश रेसीडेंसी भोपाल में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ सदस्य सचिव, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर श्री प्रदीप मित्तल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, मध्यस्थ सीनियर मास्टर ट्रेनर श्रीमती गिरिबाला सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर एवं फूल माला एवं पुष्प अर्पित कर किया। शुभारंभ कार्यकम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अग्नीन्ध्र कुमार द्विवेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल श्री सुनीत अग्रवाल सहित प्रशिक्षणार्थी न्यायाधीशगण एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री प्रदीप मित्तल, सदस्य सचिव, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि वैसे तो हमारे समाज और हमारे बीच में हर व्यक्ति विवाद के समय एक मध्यस्थ बन जाता है, लेकिन मध्यस्थता से विवाद को कैसे समाप्त किया जाए उसके लिए प्रशिक्षित मध्यस्थ होना आवश्यक है और विवाद रहित समाज की परिकल्पना में ऐसे प्रशिक्षण कार्यकम आवश्यक हैं, हमें आशा है कि आप सभी न्यायाधीशगण मध्यस्थता प्रशिक्षण प्राप्त कर विवाद रहित समाज की परिकल्पना को साकार करने में अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि समाज के छोटे से छोटे एवं बड़े से बड़े विवादों को सकारात्मकता के साथ मध्यस्थता कराकर निपटाया जा सकता है और मध्यस्थता कार्यक्रम आयोजित कराने का अवसर जिला भोपाल को प्रदान करने के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का धन्यवाद ज्ञापित किया। मध्यस्थ सीनियर मास्टर ट्रेनर श्रीमती गिरिबाला सिंह ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि मध्यस्थता ही एक ऐसा माध्यम है जिससे छोटे से छोटे विवाद को प्रारंभिक स्तर पर प्रयास कर निपटाया जा सकता है, नहीं तो ऐसे छोटे विवाद भी आगे चलकर आपराधिक प्रकरण में तब्दील हो जाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुनीत अग्रवाल द्वारा समस्त सम्माननीय अतिथियों, सीनियर मास्टर ट्रेनर तथा उपस्थित समस्त न्यायाधीशगण को कार्यकम में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नपा ने ठेले-गुमटियां हटाईं, दोबारा अतिक्रमण होने पर सख्त कार्रवाई होगी : सीएमओ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में नगर पालिका ने रविवार शाम को शहर में मुख्य चौराहों से अस्थायी दुकानें हटाईं गईं। क्लीन सीधी, स्वच्छ सीधी अभियान के तहत लगातार चौथे दिन अतिक्रमण हटाया गया। सीएमओ मिनी अग्रवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

नगर पालिका की टीम ने सम्राट चौराहा, गांधी चौराहा और अंबेडकर चौराहे से अवैध कब्जे हटाए। सड़क किनारे लगे सब्जी के ठेले और गुमटियों को भी हटाया गया। दुकानदारों को सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा न करने की हिदायत दी गई।

कब्जा होने से लग रहा था जाम: इन चौराहों पर अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था बाधित हो रही थी। राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नगर पालिका ने सभी दुकानदारों से तय स्थानों पर ही व्यवसाय करने की अपील की है।

सीएमओ बोले- आगे भी अभियान जारी रहेगा: सीएमओ मिनी अग्रवाल ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नगर पालिका का लक्ष्य सीधी को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना है। इसके लिए यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

यातायात उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई

तीन वाहनों पर लगाया जुर्माना, फरवरी में वसूले 6.11 लाख

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में यातायात उड़नदस्ता टीम ने रविवार को माल से भरे एक ट्रक को पकड़ा है। साथ ही तीन अन्य वाहनों पर जुर्माना लगाया है। उड़नदस्ता प्रभारी अनिमेष जैन ने बताया कि टीम ने बलियरी कॉर्नर और कन्वेयर बेल्ट रोड पर जन जागरूकता अभियान चलाया।

इस दौरान मालवाहक गाड़ियों की जांच की गई। कई वाहन बिना त्रिपाल के रहवासी इलाकों से माल की ढुलाई कर रहे थे। कुछ वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर भी नहीं लगे थे। एक वाहन को आरटीओ नियमों का उल्लंघन करने पर शासन चौकी में खड़ा करवाया गया है। जैन ने बताया कि फरवरी में रिकॉर्ड कार्रवाई करते हुए 6 लाख 11 हजार का जुर्माना वसूला गया। यह राशि शासकीय खजाने में जमा करवाई गई है।

उन्होंने वाहन मालिकों को चेतावनी दी है कि वे अपने दस्तावेज दुरुस्त रखें। नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई जारी रहेगी। यह अभियान सिंगरौली में बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए चलाया जा रहा है। इन हादसों में नियमों की अवहेलना करने वाले मालवाहक वाहनों की भी भूमिका है। यातायात पुलिस भी शहर में इसी तरह का अभियान चला रही है।

यूपी से चोरी कार अनूपपुर में मिली

पुलिस ने हाईवे-43 के किनारे आम के पेड़ के नीचे से जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर पुलिस ने रविवार को यूपी से चोरी एक कार को बरामद किया है। दरअसल, 2 मार्च को पुलिस को नेशनल हाईवे 43 के किनारे एक आम के पेड़ के नीचे सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी रहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने जांच की, तो कार पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी। कार की कीमत लगभग 5 लाख रुपए आंकी गई है। थाना कोतमा में पुलिस ने मामला दर्ज किया।

पुलिस की जांच में कार से कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। कार पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी। कार के चेसिस और इंजन नंबर की जांच की गई। पता चला कि कार मालिक ने (एमपी-53-डीएल-1695) थाना कैंट गोरखपुर में चोरी की दर्ज कराई है।

बच्चों को भेजा, खुद नहीं लौटी, पति ने की खुदकुशी

एक सप्ताह से मायके में थी पत्नी, बच्चों ने फंदे पर लटका हुआ देखा पिता का शव

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में रविवार को मायके से पत्नी के नहीं लौटने पर नाराज पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक विजय बहेलिया की पत्नी सुनीता एक सप्ताह पहले मायके गई थी, जो शुक्रवार (28 जनवरी) को घर आने के लिए बोली थी, कल शाम तक बच्चे वापस आए, लेकिन वह नहीं पहुंची। गुस्साए पति ने फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी।

घटना रविवार सुबह ब्यौहारी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-15 की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

बच्चों को घर भेज खुद नहीं आई पत्नी: दरअसल, मृतक विजय बहेलिया की पत्नी सुनीता ने कल शाम बच्चों के भेज दिया, लेकिन वह घर नहीं पहुंची। जबकि वह विजय से रविवार सुबह आने के लिए कही। इस बात से विजय काफी नाराज हो गया। इसके बाद वह कल रात में कमरे के अंदर दरवाजे को बंद कर खुदकुशी कर ली।

घटना के वक्त बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। अगले दिन सुबह जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो बच्चों ने खिड़की से झांककर देखा। उन्होंने अपने पिता विजय बहेलिया को फांसी पर लटका पाया।

ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडे के अनुसार, पति-पत्नी के बीच फोन पर कुछ विवाद हुआ होगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की पड़ताल कर रही है।

एक नशा तस्कर गिरफ्तार

5 लाख की 47 हजार नशीली टेबलेट और 210 सिरप जब्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी पुलिस ने रविवार को एक बड़े नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 47 हजार नशीली टैबलेट और 210 नशीली सिरप बरामद की गई हैं। जब्त की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपए से अधिक है।

मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने वार्ड नंबर 14 राम मंदिर मोहल्ले में छापा मारा। आरोपी संजू उर्फ संजीव गुप्ता अपने घर के एक कमरे में नशीली दवाइयों का जखीरा छिपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी के घर को चारों तरफ से घेर लिया। तलाशी के दौरान घर के पीछे एक कमरा मिला। कमरे में बड़े-बड़े खाली जार में नशीली दवाइयां पन्नी और बोरियों में बांधकर छिपाई गई थीं। पुलिस की 11 सदस्यों की टीम ने कार्रवाई करते हुए नशीली दवाइयों को जब्त किया है।

जेनेरिक दवाओं के लिए साइकिल रैली निकाली

बच्चों ने "कहां सस्ती है दवाई, अच्छी है दवाई, करें इसका इस्तेमाल" के लगाए नारे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ऋषिकेश फाउंडेशन की मोगली पलटन ने जेनेरिक दवाओं के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। मिशन रामबाण के तहत बच्चों ने साइकल रैली निकाली। यह कछुआ चाल रैली हर महीने के पहले रविवार को की जाती है।

फाउंडेशन का मानना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर रहे हैं। महंगी ब्रांडेड दवाओं के कारण कई लोग उचित इलाज से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बच्चों ने जेनेरिक दवाओं के फायदे लोगों तक पहुंचाए।

रैली में बच्चों ने "कहां सस्ती है दवाई, अच्छी है दवाई, करें इसका इस्तेमाल" जैसे नारे लगाए। उन्होंने लोगों को बताया कि जेनेरिक दवाएं न केवल किफायती हैं बल्कि प्रभावी भी हैं।

फाउंडेशन के अध्यक्ष उमेश तिवारी ने कहा- यह पहल आधुनिक जीवन की अंधी दौड़ को रोकने का प्रयास है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल की बजाय खेल के मैदान में लौटने का आह्वान किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया।

विनाशकारी विकास की जनक हैं बीजेपी कांग्रेस : अमरेश पटेल

व्यंकट रोड में बनाई जा रही बाउंड्री पर लगाई जाए रोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल ने बीजेपी कांग्रेस दोनों पर आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों पार्टियां विनाश रूपी विकास की जनक हैं जब जब मध्य प्रदेश में यह दोनों पार्टियां सरकार में रही दोनों ने विनाश रूपी विकास किया और हमेशा एक दूसरे के खिलाफ चुप भी रहीं पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार है और रीवा नगर निगम में कांग्रेस पार्टी के महापौर हैं अभी हाल ही में नगर पालिक निगम रीवा द्वारा पदमधर पार्क का नवीनीकरण कराया गया और पार्क के चारों तरफ जो पुरानी बाउंड्री बनी थी उसको गिराकर उसी जगह पर नई बाउंड्री बनाई गई तब तक तो विकास का कार्य एक तरह से सही था लेकिन आज यह देखने को मिला कि पदमधर पार्क की जो बाउंड्री व्यंकट रोड तरफ बनी है उस बाउंड्री के अलावा लगभग 6 फीट चौड़ाई छोड़कर सड़क के मुख्य मार्ग पर अलग से एक पक्की बाउंड्री का निर्माण कराया जा रहा है जो रीवा शहर का सबसे व्यस्ततम सड़क मार्ग है 24 घंटे आवागमन की असुविधा निर्मित रहती है इसके बाद भी दोनों पार्टियों के जनप्रतिनिधि नगर निगम के कमिश्नर जिले के कलेक्टर तथा अन्य आला अधिकारी जिनको ऐसे निर्माण के पहले यह सोचना चाहिए था की उक्त बाउंड्री बनने के बाद आवागमन के हालात क्या होंगे पटेल ने कहा कि दोनों पार्टियों के जनप्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों को ईश्वर सद्बुद्धि दे जिससे ऐसे विनाशकारी विकास तत्काल रोके जा सकें।

मरीजों को फल वितरण कर मनाई जाएगी पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की पुण्य तिथि

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री एवं सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय संघर्षशील कांग्रेस नेता चक्रधर सिंह जवा ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है। कि हमेशा की भांति इस वर्ष भी 4 मार्च दिन मंगलवार को 11:00 बजे दिन सरकारी अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा में मरीजों को फल वितरण कर सेवा कार्यके साथ मनाया जाएगा पूर्व मुख्यमंत्री सर्वहारा वर्ग के रहे नेता स्व.दाऊ साहब अर्जुन सिंह जी का जन्मदिन। सिंह जी ने सम्मानित कांग्रेस जनों एवं नागरिक बंधुओ से 4 मार्च दिन मंगलवार को सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा में पहुंचने की अपील की हैं।

सिगरेट के पैसे मांगे, मना किया तो पीटा

चार दोस्तों ने नाबालिग को पत्थर से मारा, सिर में 4 टांके आए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में एक नाबालिग छात्र के साथ उसके चार दोस्तों ने मारपीट कर दी। सिगरेट के लिए पैसे न देने से नाराज दोस्तों ने शनिवार रात करीब 9 बजे छात्र को फोन कर घर के बाहर बुलाया और पत्थरों से हमला कर दिया।

घायल छात्र की पहचान सिमरिया गांव निवासी तेजराम (16) के रूप में हुई है। वह कक्षा 9वीं का छात्र है। तेजराम ने बताया कि उसके चारों दोस्त गुटखा और सिगरेट के आदी हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने सिगरेट के लिए पैसे मांगे थे। मना करने पर वे नाराज हो गए।

लात-घूंसों से मारपीट की, पत्थर से किया हमला: शनिवार रात आरोपी छात्रों ने तेजराम को फोन कर बाहर बुलाया। बाहर आते ही उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद लात-घूंसों से मारपीट की और पत्थरों से हमला कर दिया। हमले में तेजराम के सिर में गंभीर चोट आई।

सिर में चार टांके लगे: परिजन घायल तेजराम को सिविल लाइन थाने ले गए। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसके सिर में चार टांके लगाए हैं। सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मिक चौबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही हैं और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थाने में डीजे पर पुलिसकर्मियों ने लगाए ठुमके

टीआई के बर्थडे पर मनाया जश्न, वीडियो सामने आने पर एसपी ने किया लाइन अटैच

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के धरमपुर थाने में डीजे की धुन पर पुलिसकर्मियों का ठुमके लगाते वीडियो सामने आया है। थाना प्रभारी बलवीर सिंह का शनिवार को जन्मदिन था। इसके लिए स्टाफ ने थाने को सजाया। केक भी काटा।

रविवार को वीडियो सामने आने के बाद एसपी साईं कृष्ण थोटा ने पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया है। उन्होंने इसकी जानकारी अपने ङ्क अकाउंट पर शेयर की है।

एसपी ने इस मामले की जांच एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया को सौंपी है।

जमकर ठुमके लगाते नजर आए पुलिसकर्मी: वीडियो में पुलिसकर्मी जमकर ठुमके लगाते हुए नजर आ रहे हैं। एक महिला पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में हाथ में एक बोतल लेकर जश्न मनाती हुई दिखाई दे रही है। हालांकि, महिला ने जो बोतल हाथ में ले रखी है, वह शराब की है या फिर अन्य पेय पदार्थ की है। ये जांच के बाद पता चलेगा।

विपणन वर्ष 2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन हेतु पंजीयन प्रारंभ : उप संचालक कृषि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सीधी संजय कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार रबी वर्ष 2025-26 विपणन वर्ष 2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन का कार्य किया जाना है। भारत सरकार द्वारा औसत अच्छी गुणवत्ता के चना, मसूर एवं राई-सरसों का समर्थन मूल्य क्रमशः 5650 रूपये प्रति क्विंटल, 6700 रूपये प्रति क्विंटल तथा 5950 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है।

उपार्जन का कार्य राष्ट्रीय उपार्जन एजेन्सी नाफेड के द्वारा किया जाएगा। उपार्जन के लिए शासन द्वारा पंजीयन अवधि 10 मार्च 2025 तक प्रस्तावित है। पंजीयन के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जिले की सेवा सहकारी समितियों को, विपणन समितियों को एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों का निर्धारण किया गया है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 08 मार्च को

न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में 08 मार्च 2025 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है जिससे समय एवं धन की क्षति रूकती है और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे ने 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की जानकारी देते हुए कहा कि समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया जा रहा है जिससे प्रकरण पूरी तरह समाप्त हो जाता है और सभी पक्षकारों की जीत होती है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत न्यायालय के बाहर आपसी समझौता होता है जिसे वापस न्यायालय में प्रेषित किया जाता है, तद्नुसार न्यायालय द्वारा समझौते का निर्णय दिया जाता है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा।

नगरीय निकाय के अंतर्गत संपत्तिकर एवं जलकर के अधिभारों में छूट दी गई है। संपत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये बकाया है उसमें अधिभार पर 100 प्रतिशत, 50 हजार से अधिक तथा 01 लाख रूपये बकाया होने पर 50 प्रतिशत एवं 01 लाख से अधिक बकाया होने पर अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार रूपये बकाया है उनमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत, 10 हजार रूपये से अधिक तथा 50 हजार रूपये तक बकाया होने पर अधिभार में 75 प्रतिशत एवं 50 हजार रूपये से अधिक बकाया होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। यह छूट वर्ष 2024-2025 तक की बकाया राशि पर ही देय होगी तथा छूट उपरांत राशि अधिकतम दो किश्तों में जमा करवाई जा सकेगी जिसमें से कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन जमा करवाना अनिवार्य होगा।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, पॉच किलो वाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत 08 मार्च में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस, अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी।

सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने अपील की है कि 08 मार्च को न्यायालय में उपस्थित होकर अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कराये तथा विवाद विहीन समाज की संकल्पना में न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करे।

छात्र से मारपीट कर 4 हजार रुपए छीने

बहन को परेशान करने का विरोध करने पर दो युवकों ने कट्टे से पीटा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में एक छात्र के साथ दो युवकों ने मारपीट कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित योगेश पटेल (22) सटई रोड पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है।

शनिवार रात करीब 7 बजे योगेश जब लाइब्रेरी से घर लौट रहा था। सटई रोड बरिया के पास बाइक सवार अभिषेक पटेल और बाबू अहिरवार ने उसे रोका। दोनों आरोपियों ने कट्टे की बट से योगेश की पिटाई की और उसके बैग से 4 हजार रुपए छीनकर फरार हो गए।

अभिषेक बहन को परेशान कर रहा था: घटना का कारण पुरानी रंजिश है। योगेश ने बताया कि अभिषेक उसकी बहन को परेशान कर रहा था। इस पर उसने अभिषेक को समझाया था। मामला शांत हो गया था, लेकिन इसी बात का बदला लेने के लिए आरोपियों ने यह वारदात की। हमले में योगेश के सिर और चेहरे पर चोटें आई हैं।

पीड़ित ने परिजनों के साथ सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

विचार

रुस का साथ बना भारत के लिए वरदान

देश को आजादी मिले हुए अभी दस वर्ष भी नहीं हुए थे, और हम अपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को खो चुके थे। परंतु अब हम बर्तनिया हुकूमत के अंदर कोई डोमिनियन स्टेट नहीं थे, वरन एक सार्वभौम राष्ट्र थे। बहुत से लोगों के मन में यह शंका होगी कि क्या फर्क होता है इन दोनों स्थितियों में? तो समझें कि कनाडा और आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड बररतानिया यानि की ब्रिटिश सिंहासन के औपचारिक अधीनता मंजूर करते हैं। इसका अर्थ यह हुआ की इनके गवर्नर जनरल की औपचारिक नियुक्ति बर्किंघम पैलेस से घोषित होती है, वैसे ये सभी राष्ट्र भी गणराज्य है अर्थात देश के सर्वोच्च पद पर कोई भी नागरिक आसीन हो सकता हैं। यद्यपि ये देश भी राष्ट्रकुल यानि कामनवेल्थ के सदस्य हैं। परंतु भारत के राष्ट्रपति का चुनाव हम अपने संविधान के अंतर्गत करते हैं। यह तो थी कानूनी बारीकी, अब आइए लौटकर बीसवी सदी के छठे दशक मे चलते हैं। बड़े -बड़े बांधों ने देश के किसानों को जरूरत भर का सिंचाई का जल सुलभ कर दिया था। कुछ छोटे -मोटे कारखाने भी अब शुरू हो रहे थे। पटसन उद्योग अब गांव- गांव मे रस्सी बनाने के साथ नारियल के पेड़ों से निकली मुंज की रस्सी भी नौकायन उद्योग के काम आने लगी थी। अब देश की विकास की भूख बड़ रही थी। विकसित राष्ट्र बनने के लिए स्टील और बिजली बहुत जरूरी थे। जिनके लिए प्रशिक्षित लोग और कल-कारखाने के लिए अनवरत बिजली की जरूरत थी, परंतु उस समय ब्रिटेन, अमेरिका आदि स्टील के कारखाने और बिजली घर देने को राजी नहीं थे। ऐसे मे पंडित नेहरू की गुट निरपेक्ष और पंचशील ही काम आए। सोवियत रूस ने आगे आकर नव स्वतंत्रता पाए भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया और इस प्रकार भारत को पहला स्टील प्लांट भिलाई मिला। अब स्टील को बनाने मे बिजली की खपत बहुत ज्यादा होती है , इसलिए बिजली का एक छोटा प्लांट भी आया, परंतु देश को ताप बिजली यानि थर्मल विद्युत की जरूरत हुई। पनबिजली का उत्पादन बारह मास और चौबीस घंटे नहीं हो सकता हैं परंतु स्टील के उत्पादन के लिए लगातार और अधिक बिजली की जरूरत होती है। इसके लिए सोवियत रूस ने ओबरा और पत्र टूर में तापबिजली घर प्लांट डालर के विनिमय पर नहीं वरन रुपये के विनिमय के तहत दिया। इसका अर्थ यह था कि भारत सोवियुत रूस को जो सामान बेचेगा उसका मूल्य रुपये में दिया जाएगा। जिससे रूस अपने कर्ज की भरपाई करेगा। जब दुनिया मे राष्ट्रों के बीच व्यापार ब्रिटिश पाउंड या अमेरिकी डालर मे हो रहा था तब ऐसे नव स्वतंत्रता पाए भारत को यह सुविधा बहूत्त बड़ा वरदान साबित हुआ।

पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी बर्बादी की ओर

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ़ भागता हैं' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है।

जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा।

अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दु:खों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दर्शाता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दर्शाता है।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया है और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है।

सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषत: पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनुस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियां के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरु हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

वंशवादी लोकतंत्र की ओर निशांत कुमार की सियासी लॉन्चिंग

वंशवादी लोकतंत्र का क्रांतिकारी भूमि बिहार में अपनी गहरी जड़ें जमाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है! यह लोकतंत्र की जननी वैशाली की मूल भावनाओं को मुंह चिढ़ाने जैसा है। ऐसा इसलिए कि सूबाई राजनीति को विगत 4 दशकों तक प्रभावित करते रहने वाले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री बिहार, जदयू के मुखिया नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री बिहार और लोजपा आलाकमान रहे स्व. रामविलास पासवान, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार ने अपने-अपने लाडले क्रमश: तेजस्वी यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री बिहार, चिराग पासवान, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार और निशांत कुमार, सीएम इन वेटिंग, बिहार को अपनी राजनीतिक विरासत (सियासी जमींदारी) सौंप चुके हैं!

इस मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भले ही देरी से फैसला किया हो, लेकिन देर आयद दुरुस्त आयद की भांति वो निशांत कुमार के लिए अपने समर्थकों से मजबूत फील्डिंग भी करवा रहे हैं। इससे प्रदेश की राजनीति में कई सवाल पैदा हो रहे हैं, क्योंकि चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, एक दूसरे को शिकस्त देने के लिए इन क्षेत्रीय राजनीतिक सूबेदारों को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस की राह पर भाजपा का चलना देश की वैचारिक राजनीति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जबकि भाजपा को इतनी ऊंचाई देने वाली टीम का मानना है कि चूंकि लोहा ही लोहे को काटता है, इसलिए कांग्रेस मुक्त भारत के लिए वो लोग जैसे को तैसा वाली राजनीति देंगे।

भाजपा की इसी सोच का फायदा उठाते हुए उसके दो बड़े कद्दावर नेताओं यानी पार्टी में नम्बर 2 की हैसियत रखने वाले अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री, भारत सरकार और नम्बर 3 की हैसियत पर जा चुके राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री, भारत सरकार भी अपने पुत्रों क्रमश: जय शाह और पंकज सिंह-नीरज सिंह को महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचा चुके हैं। यदि देखा जाए तो कांग्रेस और भाजपा के अलावा जितने भी यूपीए या एनडीए समर्थक क्षेत्रीय दल हैं, वो भी अपने अपने पुत्रों को अपनी राजनीतिक विरासत सौंप चुके हैं या ऐसी तैयारी में हैं।

इसलिए कहा जा सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को, सबसे सफल लोकतंत्र को हमारे नेताओं ने वंशानुगत राजतंत्र की तरह ही वंशानुगत लोकतंत्र में तब्दील कर दिया है। यदि कुछ बची-खुची कसर है तो वो गुजश्ते दशक या आने वाले दशक में पूरी हो जाएगी। इसका कारण प्रतिभाशाली डीएनए है या पूंजीवादी षड्यंत्र, यह आपको बाद में पता चलेगा। क्योंकि यूपी के समाजवादी पार्टी प्रमुख रहे स्व. मुलायम सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश अपनी सत्ता अपने जीवनकाल में ही अपने पुत्र अखिलेश यादव को सौंप चुके थे। वहीं महाराष्ट्र के शिवसेना प्रमुख रहे स्व. बाला साहेब ठाकरे अपनी राजनीतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव भाऊ ठाकरे, पूर्व मुख्यमंत्री महाराष्ट्र को सौंप चुके हैं। ये तो महज बानगी भर है, जबकि इसकी फेहरिस्त बड़ी लंबी है।

इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जब नौकरशाह का बेटा नौकरशाह, न्यायाधीश का पुत्र न्यायाधीश, उद्यमी का बेटा उद्यमी बन सकता है तो किसी राजनेता का बेटा राजनेता क्यों नहीं बन सकता है! बात में तो दम है, लेकिन भारतीय संविधान भी इस विषय में मौन है! इससे साफ है कि सत्ता की एक अलग सोच होती है जो राजतंत्र, लोकतंत्र और तानाशाही में भी लगभग एक समान होती है। यह सोच है वंशवादी सोच, जहां राजा या नेता खुद को महफूज समझता है।

यदि आप आजादी के आंदोलनों, संपूर्ण क्रांति और अन्ना हजारे के आंदोलनों पर गौर करेंगे तो यह साफ पता चलेगा कि इन सबका कुछ अघोषित एजेंडा रहा है, जिसमें व्यक्तिवाद, सम्पर्कवाद और वंशवाद सर्वोपरि है। कहीं यह साफ दिखता है तो कहीं पर यह घुमाफिरा कर, लेकिन मूल मर्म यही कि सत्ता बड़ी बेवफा होती है, इसलिए चाहे जैसे भी हो इसे अपने परिवार के खूंटे से बांधे रहो। नेहरू-गांधी परिवार, संघ परिवार और क्षेत्रीय जातीय राजनीतिक परिवारों की सफलता-विफलता का कारण भी यही है।

हैरत की बात तो यह है कि जो समाजवादी-राष्ट्रवादी 1970-80-90 के दशक तक नेहरू-गांधी परिवार के वंशवाद का विरोध कर रहे थे, और तख्त बदल दो ताज बदल दो, वंशवाद का राज बदल दो जैसे नारे लगा रहे थे, उन्होंने कैसा क्षेत्रीय वंशवाद चलाया, अब जगजाहिर हो चुका है। हालांकि, इनमें सबसे धैर्यशाली निकले बिहार के कद्दावर मुख्यमंत्री और जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार ने भी जब अपने बेटे निशांत कुमार को सियासत में उतारने की हरी झंडी दे दी और उनके संग गुलदस्ता वाली फोटो वायरल करवा दिया, तो लोगों के दिलोदिमाग में इस वंशवादी लोकतंत्र को लेकर कई सवाल पैदा हो रहे हैं। पहला सवाल यह कि क्या पारिवारिक लोकतंत्र से आम भारतीयों का भला हो पाएगा? दूसरा सवाल यह कि, जो लोग हर बात में ब्राह्मणों या सवर्णों को कोस रहे थे, उन्होंने सत्ताधीश बनने के बाद कैसा आचरण प्रस्तुत किया? तीसरा सवाल यह कि, वंशवादी नेताओं ने अकूत सम्पत्ति जमा करते हुए हमारे देश की राष्ट्रीय सम्पदाओं को निजी हाथों में सौंपते जा रहे हैं और कोई राजनीतिक चहलकदमी नहीं दिखाई-सुनाई पड़ रही है, क्या इससे आम आदमी का भला होगा? चौथा सवाल यह है कि आरक्षण और सामाजिक न्याय, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद, क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता का हश्र आने वाले दिनों में क्या होगा।

यह सवाल इसलिए कि जब तपे-तपाए नेताओं की जगह उनके अनुभवहीन पुत्र ले लेते हैं तो सिस्टम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, जैसा कि उससे उम्मीद किसी भी सभ्य समाज को होती है। इससे पार्टी और नेता, दोनों कमजोर होते हैं। सत्ता से हट जाते हैं। लेकिन जब उनका लक्षित दुरुपयोग एक दूसरे को शह-मात देने के लिए किया जाता है तो स्थिति काफी विकट हो जाती है। भारत और भारतीय जनमानस इसी संक्रमण कालीन स्थिति से गुजर रहे हैं। चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हों, या इन जैसे अन्य नेतागण, जिन्होंने वंशवादी किले को बारीकीपूर्वक जमींदोज किया और खुद मठाधीश बन बैठे। ऐसे में बिहार में पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुनि चौधरी के पुत्र और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (कुशवाहा जाति) की सियासी धार को कुंद करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार (कुर्मी जाति) की जो सियासी लॉन्चिंग हो रही है, उससे लवकुश समाज की राजनीति कितनी मजबूत होगी, यह तो वक्त बताएगा।लेकिन जब उम्र गत कारणों से नीतीश कुमार राजनीति से अवकाश लेने के मुहाने पर खड़े हैं, तब उन्होंने अपने पुत्र की सियासी लॉन्चिंग कराकर यह संदेश दिया है कि भाजपा और कांग्रेस चाहे जो मंसूबे पाले, लेकिन बिहार की भावी राजनीति तेजस्वी यादव, निशांत कुमार, चिराग पासवान के ही इर्द-गिर्द घूमेगी।

दल्लीराजहरा बस स्टैंड पर खड़ी बस में लगी आग

इमरजेंसी गेट से बाहर निकला ड्राइवर, दुर्ग से बारात लेकर बालोद आई थी बस

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। बालोद जिले के दल्लीराजहरा बस स्टैंड पर शनिवार रात दुर्ग से बारात लेकर आई बस में अचानक आग लग गई। जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस दौरान बस के अंदर सो रहे ड्राइवर को इमरजेंसी गेट से बाहर निकलना पड़ा। बताया जा रहा है कि, घटना रात करीब 3 बजे की है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास खड़ी अन्य बसों को तुरंत हटाया गया। फिर भी एक जागीरदार की बस को नुकसान हुआ है। फिलहाल दमकल वाहन की मदद से आग बुझा लिया गया है।

बस बारात लेकर पहुंची थी दल्लीराजहरा: बस ड्राइवर लिकेश यादव ने बताया कि, वो 52 सीटर मनीष ट्रेवल्स की बस लेकर दुर्ग से दल्लीराजहरा पहुंचा था। बस में सेंसर लगा हुआ था, जो किसी हादसे के दौरान दरवाजे को लॉक कर देता है। आग लगने के कारण यह लॉक हो गया। जिससे इमरजेंसी गेट से बाहर निकलना पड़ा।

बस स्टैंड के सभी कैमरे चेक किए जा रहे: दल्लीराजहरा टीआई सुनील तुर्की ने बताया कि, रात 12 बजे से लेकर सुबह 3.30 बजे तक सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही। लेकिन शुरुआती जांच में वाहन के आसपास कोई संदिग्ध हलचल नजर नहीं आई।

अब और भी कैमरों की विस्तार से जांच की जा रही है। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। आग लगने से बस पूरी तरह जल गई है। जिससे करीब 20 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

अब बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पेट्रोल, यातायात नियम हुए सख्त, पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों को बांटे हेलमेट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में यातायात सुरक्षा को लेकर पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। अब शहर में बिना हेलमेट के बाइक सवार को पेट्रोल नहीं मिलेगा। पुलिस अधीक्षक ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश जारी किए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को पुलिस पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को हेलमेट बांटे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य है। नियम तोड़ने वालों पर चालान की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक अवेयरनेस जरूरी: एसपी रजनेश सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के निर्देशन में यातायात नियमों का पालन कराया जा रहा है। पुलिस सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए लोगों को जागरूक कर रही है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान 'हेलमेट वितरण अभियान' चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि जो लोग हेलमेट खरीदने में सक्षम नहीं हैं, उनकी मदद करें। जिला यातायात पुलिस और जनसहयोग से विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंद लोगों को हेलमेट वितरित किए जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण के बाद अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में नगर सरकार बनते ही अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाया है। दलपत सागर के पास सड़क किनारे अवैध रूप से बनाए गए वान्या लॉन की बाउंड्री को तोड़ा गया है। वहीं मालिक को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है कि वे लॉन को खाली कर दें। वर्ना पूरे लॉन में बुलडोजर चलाया जाएगा।

बताया जा रहा है कि दलपत सागर के किनारे की निजी भूमि पर लॉन का निर्माण हुआ है। लेकिन, प्रशासन के मुताबिक यह कृषि भूमि है। यहां सिर्फ पशु पालन या खेती-किसानी का ही काम किया जा सकता है। लेकिन, मालिक ने यहां अवैध तरीके से लॉन का निर्माण करवाया दिया है। पास में ही दलपत सागर है। कुछ दिन पहले भी यह मामला उठा था। वहीं एक दिन पहले भाजपा के मेयर समेत 30 पार्षदों ने शपथ ली। जिसके बाद नगर सरकार बनते ही पहली कार्रवाई अवैध अतिक्रमण पर की गई है। निगम आयुक्त की माने तो अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला है। मालिक को अल्टीमेटम भी दिया गया है। शहर में जहां भी अवैध तरीके से अतिक्रमण हुए हैं उन्हें तोड़ा जाएगा।

पुरानी रंजिश में दो जगहों पर युवकों को चाकू से गोदा

चाचा-भतीजे समेत कई लोगों ने किया जानलेवा हमला, हालत गंभीर, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाचा-भतीजे समेत कई लोगों ने जानलेवा हमला किया। आरोपियों ने युवक को 17 बार चाकू से गोदा। युवक की हालत गंभीर है। यह घटना थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के नयापारा वार्ड के पास की है।

घटना युवक के घर से महज 20 मीटर की दूरी पर हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गिन्नी सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात में चाचा-भतीजा और दो भाइयों समेत कई लोग शामिल हैं। पुलिस और साइबर टीम अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

दरअसल, धमतरी जिले के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के नयापारा वार्ड के पास चाकूबाजी की घटना हुई है। नयापारा वार्ड से करीब 200 मीटर दूर सुबह 9: 30 बजे शिव चौक बनियापारा से मोटरसाइकिल पर ललित मिश्रा और राजकुमार यादव बाइक से जा रहे थे। तभी गिन्नी सरदार, जग्गू के चाचा और जग्गू, निर्भय उर्फ आलू का छोटा भाई शुभम सहित अन्य साथियों ने दोनों बाइक सवार को रास्ते में घेर लिया।

मारपीट के बाद चाकू से किया वार: इसी दौरान बदमाशों ने राजकुमार के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद उसपर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद बदमाश वहां से फरार हो गए।

इधर, घायल राजकुमार को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि घायल राजकुमार को करीब 17 बार चाकू से गोदा गया है, जिससे उसके पेट, सीना और हाथ में चोट आई है। वहीं सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

इलाज के लिए घायल रायपुर रेफर: थाना सिटी कोतवाली प्रभारी राजेश मरई ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर कुछ बदमाशों ने राजकुमार यादव के साथ मारपीट की और धारदार हथियार से राजकुमार को घायल कर दिया है। घायल राजकुमार को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेजा गया था। वहां से उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है।

पीड़ित के मुताबिक हमला करने वालों में चार आरोपियों का नाम सामने आया है। इसमें मुख्य आरोपी गिन्नी सरदार को पकड़ लिया गया है। अन्य की तलाश में साइबर टीम और पुलिस जुटी हुई है। आरोपी गिन्नी सरदार इससे पहले आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। जो 15-20 दिन पहले जेल से बाहर आया है। पुलिस एफआईआर कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सिर पर फोड़ी बियर की बोतल, पेट में गोदा चाकू, 3 लोगों ने रोका

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में एक युवक पर तीन लोगों ने जानलेवा हमला किया है। घटना बालको थाना क्षेत्र के लालघाट शराब दुकान के पास नया रिसदा रोड पर हुई। 25 वर्षीय अजीत यादव बाइक से रिसदा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान तीन युवकों ने उसकी बाइक रुकवाई। आरोपियों ने अजीत पर बियर की बोतल और चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बियर की बोतल से सिर पर और चाकू से पेट पर वार किया।

पीड़ित ने बताया कि भदरापारा निवासी विजय ने अपने दो साथियों के साथ पुरानी रंजिश में यह हमला किया। कुछ महीने पहले विजय की किसी अन्य युवक से हुई लड़ाई में अजीत ने बीच-बचाव किया था। इसी बात का बदला लेने के लिए यह हमला किया गया।

घटना के समय मौजूद लोग तमाशबीन बनकर देखते रहे। किसी ने भी बचाने की कोशिश नहीं की। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल अजीत को कोरबा के जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

सड़कों पर बर्थडे या पार्टी पर रोक

बिना अनुमति आयोजन पर वाहन जब्ती और जुर्माना, कई कानूनों के तहत होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर पुलिस ने सड़कों और सार्वजनिक मार्गों पर बर्थडे पार्टी या अन्य निजी आयोजनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के वाहन जब्त किए जाएंगे और उन पर सामूहिक जुर्माना लगाया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति जन्मदिन मनाने, भंडारा लगाने या पंडाल लगाकर यातायात बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस एन्टी एंक्रोचमेंट एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट और नगर पालिक अधिनियम के तहत कार्रवाई करेगी।

बिना अनुमति सड़कों पर कार्यक्रम से लोग होते हैं परेशान: शहर में अक्सर लोग बिना अनुमति सड़कों पर कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इससे जाम की स्थिति बनती है। कई बार अनुमति मिलने के बाद भी निर्देशों का पालन नहीं किया जाता। इससे आम लोगों को परेशानी होती है।

सार्वजनिक आयोजनों के लिए विधिवत अनुमति जरूरी है। अनुमति मिलने पर यातायात पुलिस डायवर्जन प्लान बनाती है। पार्किंग और अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं। पुलिस का मानना है कि सड़क को अवरुद्ध करना अपराध की श्रेणी में आता है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

पहले इंस्टा में की दोस्ती फिर मिलने पहुंच गया घर, डरा-धमकाकर कई बार किया रेप

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। दुर्ग पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि पीड़िता ने वैशाली नगर थाने में मामला दर्ज कराया था। उसने बताया कि आरोपी कुलजीत उर्फ सन्नी ने उससे झूठे प्यार का वादा किया। उसके घर मिलने आया और वहां शादी का वादा करके उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए।

2021 में इंस्टाग्राम के जरिए मिले थे: कुलजीत और युवती साल 2021 में इंस्टाग्राम के जरिए मिले थे। दोनों एक दूसरे के सोशल मीडिया फ्रेंड हैं। दोनों की इंस्टा में बातचीत होती रहती थी। इसके बाद कुलजीत ने उसे प्रपोज किया और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया। मई 2022 में कुलजीत ने मंजीत से मिलने की जिद की उसे कैंप 1 गौसिया मस्जिद के पास अपने घर बुलाया।

दरवाजा बंदकर करने लगा जबरदस्ती: युवती जब कुलजीत के घर पहुंची तो वहां कोई नहीं था। युवती के अंदर आते ही कुलजीत ने दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। कुलजीत ने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। जब युवती ने मना किया तो उसने शादी करने का वादा किया और उसके बाद जबरदस्ती उसके साथ संबंध बनाया।

कई साल तक किया शारीरिक शोषण: एक बार शारीरिक संबंध बनाने के बाद कुलजीत आए दिन युवती के साथ जबरदस्ती करता। जब भी कुलजीत के घर में कोई नहीं होता वह युवती को फोन करके डरा धमकाकर अपने घर मिलने बुलाता। इसके बाद वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था।

पैसा लेकर नहीं लौटाया..देने लगा धमकी: युवती ने बताया कि कुलजीत ने एक दिन उससे कहा कि उसके भतीजे का बर्थडे है। वो अपने चाचा से 40 हजार रुपए उधार दिला दे। वो उसके एवज में उसके चाचा को 10 प्रतिशत दे देगा। रुपए लेने के बाद आरोपी ने पैसे वापस नहीं किए। पीड़िता ने उसके चाचा का पैसा देने के लिए कहा। इस पर कुलजीत ने युवती को बदनाम करने धमकी दी।

सुने मकान में लाखों की चोरी, तिजोरी का लॉक तोड़ा, अंदर रखे लाखों के सामान और जेवरात किए पार

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में चोरों ने एक सुने मकान में धावा बोलकर तिजोरी का लॉक तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात समेत नगदी पार कर दिया। पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मामला परपा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, परपा के पंडरीपानी इलाके में रहने वाले मनीराम ठाकुर के घर चोरी हुई है। मनीराम टेंट और कैटरीन का काम करते हैं। अपने परिवार के साथ वे कहीं कुछ घंटों के लिए बाहर गए थे। घर में ताला लगा था। इसी बीच अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाया। फिर घर में धावा बोल दिया।

डेढ़ लाख से ज्यादा की चोरी: पहले गेट का ताला तोड़ा। फिर घर के अंदर घुसकर तिजोरी का लॉक तोड़ दिया। वहीं लॉकर में रखे करीब 1 लाख 50 हजार रुपए से ज्यादा के सोने के जेवरात और नगदी पार कर गए। जब मनीराम घर लौटे तो उन्होंने ताला टूटा देखा। सामान चोरी हुआ पाया गया। इसके बाद इसकी सूचना उन्होंने फौरन परपा पुलिस को दी।

जांच में जुटी पुलिस: जिसके बाद परपा थाने से जवान मौके पर पहुंचे। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है। इलाके में लगे सारे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। जिस तरह से चंद घंटों में चोरी हुई है पुलिस को अंदेशा है कि किसी पहचान के लोगों ने ही हाथ साफ किया है।

अतिक्रमण हटाने गई राजस्व टीम से किया गया बदसलूकी, पुलिस ने भेजा दो आरोपी को जेल उसमें से एक फरार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार 01 मार्च 2025 को खड़गवां विकासखंड मुख्यालय में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय के मार्ग को पूर्णतः अवरुद्ध करते हुए पक्का दुकान का निर्माण प्रारंभ किए जाने की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पटवारी एवं कोटवार की सहायता से निर्माणाधीन अतिक्रमण को हटाया। मुख्यमार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारी मनोज कुमार पिता रामनरेश साहू निवासी ग्राम खड़गवां ने अपने दो अन्य सहयोगियों रामलाल पिता स्व. हरप्रसाद निवासी ग्राम खड़गवां एवं बसंत पिता बेचू निवासी ग्राम सैंदा के साथ मिलकर राजस्व विभाग की टीम से गाली-गलौज की और अन्य लोगों को इकट्ठा कर टीम को डंडे से भगाने का प्रयास किया, जिससे शांति व्यवस्था भंग हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही तहसीलदार खड़गवां एवं थाना प्रभारी खड़गवां ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में कुल तीन आरोपियों में से दो आरोपी मनोज कुमार पिता रामनरेश साहू एवं रामलाल पिता स्व. हरप्रसाद (दोनों निवासी ग्राम खड़गवां) को गिरफ्तार कर रात्रि में ही जेल भेज दिया।

11वीं मंजिल से छात्रा के गिरने का वीडियो

जमीन पर गिरते ही उड़ी धूल, सिर फटने से मौत, बर्थडे मनाने आई थी ऐश्वर्या-एंपायर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में 17 साल की लड़की अपार्टमेंट की 11वीं मंजिल से गिर गई। सिर फटने की वजह से लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। जमीन पर गिरते ही धूल उड़ने लगी। गिरने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र के ऐश्वर्या एंपायर सोसाइटी की है।

मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाली छात्रा का नाम अहाना जैन है, जो कक्षा 12वीं की छात्रा थी। वह डीडी नगर इलाके में रहती थी। वह घर से यह कहकर निकली थी कि सहेली की बर्थडे पार्टी में जा रही है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हादसा था, आत्महत्या थी या किसी ने उसे धक्का दिया।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, शनिवार दोपहर ढाई बजे घर से निकली थी। वह करीब 2 घंटे सहेली के साथ रही, फिर वहां से चली गई। बर्थडे मनाने के बाद जब छात्रा देर तक घर नहीं लौटी तो कारोबारी पिता मनोज जैन ने डीडीनगर थाने में छात्रा की गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई थी।

इसी बीच करीब रात सवा 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ऐश्वर्या अंपायर सोसाइटी की बिल्डिंग के नीचे एक लड़की खून से सनी पड़ी हुई है। आसपास के लोगों ने उठाकर तुरंत अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी।

बाउंड्रीवॉल से कई सामान मिले: तेलीबांधा टीआई नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। बिल्डिंग के 11वें माले की छत की बाउंड्रीवॉल से कई सामान मिले हैं। इसमें इयरफोन, आईफोन, चश्मा और एक जोड़ी चप्पल मिली है। पुलिस को आशंका है कि यह सभी सामान उसी लड़की के हैं।

मृतिका के पास से एक पर्ची भी मिली है, जो लाइब्रेरी के फीस पेमेंट की है। साथ ही ऐश्वर्या अंपायर सोसाइटी से छात्रा की स्कूटी भी मिली है, जिसमें गिफ्ट रखा हुआ मिला है।

सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस: तेलीबांधा टीआई नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। छात्रा सोसाइटी में किससे मिलने आई थी, वह कौन सी मंजिल पर गई थी। पर जांच की जा रही है।

साथ ही सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि यह हादसा था, आत्महत्या या किसी ने उसे धक्का दिया। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

रायपुर में फिर सड़क पर केक-कटिंग, कार पर 5-6 केक रखे, आतिशबाजी की, 5 युवकों पर एफआईआर, मेयर के बेटे पर भी हुआ है एक्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में बीच सड़क पर फिर एक बार केक काटा गया है। युवकों ने जमकर शोर मचाते हुए हुए सड़क पर जमकर आतिशबाजी की। आमानाका पुलिस ने 5 लड़कों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। वहीं, केक कटिंग मामले में शनिवार को महापौर मीनल चौबे के बेटे पर भी एक्शन हुआ था। आमानाका थाना प्रभारी सुनील दास के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। ये वीडियो टाटीबंध के उदया सोसायटी सेक्टर-2 का था। यहां बीच सड़क पर करीब 5-6 लड़के केक काटते दिख रहे हैं। उन्होंने आतिशबाजी कर शोरगुल भी किया। इससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

5 लड़कों के खिलाफ एफआईआर: इस मामले में आमानाका पुलिस ने करणवीर सिंह को मुख्य आरोपी बनाया है। वायरल वीडियो में बाकी युवक करणवीर का ही जन्मदिन मनाते दिख रहे हैं। इसके अलावा हरमन सिंह, संस्कार झा, विधिक करकसे और विजय जेठानी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि, फिलहाल मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है।

महापौर के बेटे के खिलाफ भी हुआ एक्शन: रायपुर की मेयर मीनल चौबे के बेटे ने 27 फरवरी की देर रात कानून तोड़ा था। इसी दिन मां मीनल ने मेयर पद की शपथ भी ली थी। मेहुल चौबे ने चंगोरा भाटा इलाके में सड़क पर दोस्तों के साथ केक काटा। आतिशबाजी कर जन्मदिन मनाया। जबकि सड़क पर ऐसा करना बैन है।

मेयर ने मांगी थी माफी: बेटे का वीडियो वायरल होते ही मेयर मीनल चौबे ने माफी मांगी। उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। मामले में मेहुल चौबे, अविनाश चंदेल, मनोज गौतम, छगन देवांगन और रोशन कुमार देवांगन समेत 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है।

कांग्रेस ने पुलिस का जन्मदिन मनाया था: महापौर के बेटे के खिलाफ एक्शन की मांग करते हुए कांग्रेस ने भी तंज में छत्र पुलिस का बर्थडे मनाया और कांग्रेस जिला कार्यालय के बाहर विरोध में पटाखे भी फोड़े। मेयर के बेटे पर देरी से एफआईआर करने और एफआईआर की कॉपी नहीं देने का आरोप लगाया है। चाची हमारी महापौर है के नारे लगाए गए। साथ ही बैनर में लिखा कि, कांग्रेस ने केक काटा तो जेल, महापौर के लड़के को बेल।

'सड़कें चलने के लिए है, इवेंट के लिए नहीं': कुछ दिन पहले ही हाई कोर्ट ने बीच सड़क पर केक काटने के मामले में सरकार को फटकार लगाई थी। हाई कोर्ट की चेतावनी के बाद शुक्रवार को मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सड़क जाम कर जन्मदिन मनाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अमिताभ जैन ने एक हाई प्रोफाइल बैठक में अधिकारियों से साफ कहा कि सड़क चलने के लिए है, किसी तरह का इवेंट करने के लिए नहीं। जो भी इस तरह की हरकतों से ट्रैफिक को बाधित करेगा उसके खिलाफ अलग-अलग एक्ट के तहत कार्रवाई करिए।

उराखंड में बर्फ का पहाड़ धंसने से 8 मौतें हुईं

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी को आए एवलांच में फंसे 8 मजदूरों की मौत हो गई। इनमें 4 की रेस्क्यू के बाद इलाज के दौरान मौत हुई, जबकि रविवार को 4 शव निकाले गए। 46 मजदूरों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। हादसे के दूसरे दिन शुक्रवार को 17 लोगों को निकाला गया था। शनिवार को 33 लोग निकाले गए थे। इन्हीं में से चार लोगों की मौत हुई थी। पहले लापता मजदूरों की संख्या 55 बताई गई थी, लेकिन शनिवार को पता चला कि एक मजदूर बिना बताए कैंप से अपने गांव चला गया था। हादसा चमोली के माणा गांव में 28 फरवरी की सुबह 7ः15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया। सभी मजदूर इसकी चपेट में आ गए। 4 मजदूरों की हालत गंभीर रेस्क्यू किए गए 46 मजदूरों को जोशीमठ के आर्मी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इनमें से दो की हालात गंभीर होने के बाद ऋषिकेश ऐम्स रेफर किया गया है। ऐम्स के पीआरओ ने बताया कि आज एक और मरीज को एयरलिफ्ट करके यहां लाया गया है। उसे पेल्विक इंजरी है। कल स्पाइनल इंजरी के कारण एक मजदूर को लाया गया था। उसके पैर काम नहीं कर रहे हैं। टेस्ट रिपोर्ट ठीक रही तो आज उसकी सर्जरी की जाएगी। जोशीमठ आर्मी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम 44 मजदूरों का इलाज कर रही है। मेजर अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि दो मजदूरों की हालत गंभीर है। हालांकि सभी खतरे से बाहर हैं।

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जलगांव के मुक्ताई नगर इलाके में एक मेले के दौरान कुछ लड़कों ने केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़खानी की। मामले की शिकायत खुद मंत्री रक्षा खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में की है। एसडीपीओ कृष्णत पिंगले ने बताया कि 28 फरवरी को कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी यात्रा में अनिकेत घुई और उसके 7 दोस्तों ने 3-4 लड़कियों का पीछा किया और उनके साथ छेड़छाड़ की। हमने (प्रिवेंशन ऑफ चाइल्ड फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) एक्ट के साथ-साथ (इन्फॉर्मेशन) एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें भेजी गई हैं। मंत्री की बेटी और सहेलियों का वीडियो बना रहे थे लड़के पुलिस के मुताबिक, मेले के दौरान कुछ लड़कों ने रक्षा खडसे की बेटी से छेड़खानी की। साथ मौजूद पुलिस सुरक्षाकर्मी का कॉलर पकड़ा और उसे भी धमकी दी। लड़के रक्षा खडसे की बेटी और उसकी सहेलियों का वीडियो बना रहे थे। जब गार्ड ने देखा तो उसने लड़कों को रोका। गार्ड ने जब मोबाइल जब्त कर जांच की। इसके बाद लड़कों ने सुरक्षाकर्मी से मारपीट शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मी ने युवकों को बताया कि यह लड़की केंद्रीय मंत्री की रिश्तेदार है, लेकिन युवक नहीं रुके।

कांग्रेस नेता हिमानी की मां का अंतिम संस्कार से इनकार

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा के रोहतक में 22 वर्षीय कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल की हत्या के बाद उनकी मां ने शव लेने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने पार्टी के लोगों पर ही हत्या का शक जताया है। बता दें कि शनिवार सुबह हिमानी का शव रोहतक के सांपला बस स्टैंड पर एक सूटकेस में मिला था। बॉडी सफेद सूट में थी और गले पर काली चुन्नी लिपटी हुई थी, हाथों में मेहंदी थी।

प्रकृति से प्रेम, संस्कृति का सम्मान और मित्रता का महत्व प्रतिपादित करते है भगवान श्रीकृष्ण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम और ग्राम संस्कृति को सम्मान देने की शिक्षा दी है। राज दरबार में सोने-चांदी और मोती माणिक्य के बीच मोर पंख को अपने शीश पर धारण कर सम्मान प्रदान करना प्रकृति से प्रेम का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण का यह भाव बताता है कि मनुष्य मात्र से प्रेम ही प्रभु प्राप्ति का सच्चा मार्ग है। भगवान श्रीकृष्ण का सुदामा को सम्मान देना, जीवन में मित्रता के महत्व और मित्र के सम्मान के लिए प्रतिबद्धता को प्रतिपादित करता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के प्रसंगों से हमें कई व्यावहारिक शिक्षाएं प्राप्त होती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोलार रोड क्षेत्र में मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास इस्कॉन द्वारा बनाए जा रहे श्री श्री राधा गोविंद मंदिर के भूमि पूजन के बाद उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, इस्कॉन के मध्यप्रदेश प्रमुख गुरु प्रसाद स्वामी महाराज तथा सचिव महामन प्रभु उपस्थित थे।कार्यक्रम में बताया गया कि यह मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र में इस्कॉन मंदिर स्थापना की पहल की सराहना करते हुए कहा कि मंदिर निर्माण, लोगों पर सुख-आनंद, वैभव और उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोलार रोड से इस्कॉन मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग का नाम प्रभुपाद मार्ग रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत की सभी दिशाओं में प्रभु श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति की सहज ही अनुभूति होती है। विश्व में भी वर्षों से भारत, भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण की धरती के रूप में जाना जाता है, मंदिर निर्माण भगवद्भाव के साकार रूप लेने का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ऐसी कामना है कि भूमि-पूजन के बाद मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के प्रकटीकरण और मंदिर के लोकार्पण का अवसर शीघ्र ही आएगा, ।

पीएम मोदी जामनगर से सोमनाथ पहुंचे

जामनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय यात्रा पर गुजरात पहुंचे हैं। रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र %वनतारा% पहुंचे वनतारा का दौरा करने के बाद शाम करीब 5.00 बजे सोमनाथ पहुंचे। यहां प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा अर्चना करने के बाद 27 करोड़ रुपए से तैयार किए गए हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया। पीएम सोमवार को जामनगर, द्वारका और गिर जिले में कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी का विमान शनिवार रात करीब

8.00 बजे जामनगर पहुंचे। एयरपोर्ट से जामनगर के पायलट हाउस तक करीब 5 किमी लंबा रोड शो किया। इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए भारी संख्या में लोग जमा रहे। इसके बाद पीएम ने जामनगर के पायलट हाउस में ही रात्रि विश्राम किया। रविवार सुबह करीब 11 बजे पीएम जामनगर में स्थित रिलायंस द्वारा संचालित पशु बचाव एवं पुनर्वास केंद्र %वनतारा% पहुंचे। गौरतलब है कि जामनगर में जानवरों के पुनर्वास के लिए बनाया गया 'वनतारा' दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। लायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वनतारा (स्टार ऑफ फॉरेस्ट) कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत, घायल जानवरों का बचाव, उपचार, देखभाल और उनका पुनर्वास शामिल है। वनतारा रिलायंस के जामनगर स्थित रिफाइनरी परिसर के 3000 एकड़ ग्रीनबेल्ट में फैला हुआ है। वनतारा प्रोजेक्ट जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस पूरे इलाके को घने जंगल की तरह विकसित किया गया है।

जन्मदिन पर स्टालिन का संकल्प, हिंदी थोपने का विरोध करुंगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपना 72वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने कहा- मैं जन्मदिन पर संकल्प लेता हूं कि हिंदी भाषा को थोपने का विरोध करूंगा। केंद्र सरकार क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी लागू कर रही है। असल में यह पॉलिसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी थोपने की साजिश है। स्टालिन ने पंजाब और तेलंगाना की सराहना की कि उन्होंने स्कूलों में पंजाबी और तेलुगु को अनिवार्य किया है। साथ ही कहा कि दोनों राज्यों ने केंद्र की भाजपा सरकार के इस झूठ को उजागर किया है कि न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने और फैलाने के लिए लागू किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा- पंजाब और तेलंगाना सरकारों की घोषणा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह अपनी प्रमुख भाषाओं की पहचान करने और उनके (केंद्र सरकार) जाल में फंसने से बचने का तरीका है। तमिलनाडु की तरह ही हर राज्य को अपनी मातृभाषा बचाने के लिए ऐसा करना चाहिए। आपकी जन्मदिन की शुभकामनाओं ने मुझे और अधिक संकल्पबद्ध होकर काम करने और तमिल जाति और भाषा की रक्षा के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। इस जन्मदिन पर मैं प्रमुख भाषा को थोपने से रोकने और तमिल भाषा को बचाने का संकल्प लेता हूं।

हरियाणा निकाय चुनाव में 46 प्रतिशत वोटिंग, नतीजे 12 मार्च को

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा में 9 नगर निगम समेत 40 निकायों के लिए आज, रविवार (2 मार्च) को वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के मुताबिक 6 बजे तक प्रदेश में 46त्न वोटिंग हुई है। अभी इसमें बदलाव संभव है। रोहतक में भाजपा-कांग्रेस समर्थकों में झड़प को छोड़कर लगभग सभी जगह मतदान शांतिपूर्वक रहा। गुरुग्राम और हिसार समेत 6 जिलों में ईवीएम खराब होने की शिकायतें सामने आईं। हिसार में तो ढाई घंटे तक मतदान रुका रहा। कई स्थानों पर मशीनें बदलनी पड़ीं। फर्जी मतदान की घटनाएं भी सामने

आईं। झज्जर के बेरी में 3 लोग फर्जी वोटिंग करते पकड़े गए, जबकि हिसार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति पोलिंग बूथ की दीवार फांदकर भाग निकले। करनाल और गुरुग्राम में वोटर लिस्ट से नाम गायब होने की शिकायतें भी मिलीं। हिसार में भाजपा नेताओं को बूथ में जाने से रोका गया। करनाल और कैथल में ईवीएम के बटन और स्याही को लेकर विवाद हुए। अब सभी ईवीएम मशीनें सील करके स्ट्रॉन्ग रूम में रख दी गई हैं। रिजल्ट 12 मार्च को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले 9 मार्च को पानीपत नगर निगम के लिए वोटिंग होगी। 1. रोहतक-नूंह समेत 6 जिलों में ईवीएम खराब, हिसार में ढाई घंटे मतदान रुका रहा रोहतक के वार्ड 16 में भारतीय कन्या स्कूल में बनाए गए बूथ के अंदर मेयर वोटिंग की ईवीएम मशीन खराब हो गई। मतदाता शमी ने बताया कि पहले 2 मशीनें लाई गईं, लेकिन वह खराब निकलीं, तीसरी मशीन इनके पास नहीं है।

बीजेपी को मिलेगी पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी जल्द ही अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐलान करने वाली है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव पूरे होने के बाद मार्च मध्य तक यह निर्णय लिया जाएगा। इस बार बीजेपी के इतिहास में पहली बार एक महिला को अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। खास बात यह है कि इस महिला नेता का संबंध दक्षिण भारत से हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, अगर बीजेपी महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति करती है, तो इस दौड़ में वनथी श्रीनिवासन सबसे प्रमुख नाम

हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, जिनकी उम्र 66 साल है, वर्तमान में आंध्र प्रदेश बीजेपी की अध्यक्ष हैं। उन्होंने 2014 में कांग्रेस से त्यागपत्र देकर बीजेपी जॉइन की थी और इसके बाद पार्टी संगठन में अहम भूमिका निभाई।

हिमाचल में बर्फबारी से 4 नेशनल हाईवे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी इलाकों में बारिश-बर्फबारी का दौर कुछ धीमा हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज रात एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसके असर से 3 मार्च के बाद बारिश और बर्फबारी का दौर फिर से शुरू होने की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड की वजह से सड़कें अभी भी बंद हैं। राज्य की 480 सड़कें और 4 नेशनल हाईवे अभी भी बंद हैं। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक शनिवार शाम तक भी 2 हजार से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर और 434 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। हिमाचल में कुल्लू जिले के भुंतर में सबसे ज्यादा 112 सेमी बारिश दर्ज हुई। कुल्लू जिले के ही कोठी में सबसे ज्यादा 15 ष्द्व बर्फबारी हुई। आईएमडी के मुताबिक 2 मार्च की रात तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है। 3 मार्च को सुबह से भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 6 मार्च से तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। जम्मू-

श्रीनगर नेशनल हाईवे शनिवार को सिर्फ हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया। पंजाब, राजस्थान, दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिमी राज्यों का न्यूनतम तापमान अगले 2 दिन 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। गोवा और कोंकण-कर्नाटक के तटीय इलाकों का मौसम गर्म रहेगा। कुछ इलाकों में हीट वेव जैसी कंडीशन रह सकती है।

दिल्ली सरकार ने विभागों को एक करोड़ रुपये से अधिक के व्यय के लिए अनुमति लेने के निर्देश दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अपने विभागों और एजेंसियों को संसाधनों की मौजूदा स्थिति एवं नकदी के बेहतर प्रबंधन के मद्देनजर एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए वित्त विभाग से अनुमति लेने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इससे पहले कहा था कि पिछली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राजधानी में नयी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के लिए खाली खजाना छोड़ गई है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी मौजूदा चुनौतियों के बावजूद दिल्ली के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।

हाल ही में जारी एक आदेश में दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने कहा कि संसाधनों की वर्तमान स्थिति और नकदी प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक करोड़ रुपये से अधिक के किसी भी व्यय के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक होगी।

हालांकि, इसमें वेतन, सभी भत्ते (बकाया सहित), मजदूरी, आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, सुरक्षा और स्वच्छता, बिजली और पानी की आपूर्ति से संबंधित व्यय शामिल नहीं होंगे।

मायावती ने भतीजे आकाश को उत्तराधिकारी पद से हटाया

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद से सभी जिम्मेदारियां छीन ली हैं। एक साल में दूसरी बार आकाश आनंद को उत्तराधिकारी और नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उन्होंने कहा- जीते-जी किसी को भी अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं करूंगी। मायावती ने यह ऐलान रविवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में किया। मायावती ने दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। आकाश के पिता आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को जिम्मेदारी सौंपी है। बैठक में बसपा के कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। आकाश आनंद मीटिंग में नहीं पहुंचे थे। पहले मंच पर दो कुर्सियां लगाई गई थीं, लेकिन बाद में एक कुर्सी हटा ली गई। मंच पर अकेले मायावती ही बैठी रहीं। बसपा ने 10 दिसंबर, 2023 को यूपी-उत्तराखंड के नेताओं की बैठक बुलाई

थी। इसमें मायावती ने अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया था। पार्टी की विरासत और राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपने भतीजे पर विश्वास जताया था। हालांकि 7 मई, 2024 को आकाश की गलतबयानी की वजह से मायावती ने उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली थीं। आकाश को अपने उत्तराधिकारी पद के साथ ही नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से भी हटा दिया था। मायावती ने कहा था कि आकाश अभी अपरिपक्व (इमेच्योर) हैं। हालांकि 47 दिन बाद मायावती ने अपना फैसला पलट दिया था। 23 जून 2024 को उन्होंने भतीजे आकाश को फिर से अपना उत्तराधिकारी बनाया और नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी भी सौंप दी थी। अब फिर मायावती ने आकाश आनंद से सारी जिम्मेदारियां छीन ली हैं।

आगामी चुनावों के लिए एकजुट हैं कांग्रेस नेता, बैठक के बाद बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि केरल में पार्टी के नेता आगामी उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। गांधी का यह बयान शुक्रवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले रणनीति को लेकर चर्चा के लिए 'इंदिरा भवन में दक्षिणी राज्य के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद आया है। बैठक के बाद केरल के नेताओं द्वारा मीडिया को दी गई जानकारी की तस्वीर पोस्ट करते हुए गांधी ने फेसबुक पर लिखा, वे एक साथ खड़े हैं, आगे के उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। उनकी पोस्ट के साथ हैशटैग टीम केरल भी था। यहां कांग्रेस के मुख्यालय 'इंदिरा भवन में करीब तीन घंटे तक चली बैठक का मुख्य विषय अनुशासन, एकता और राज्य संगठन को मजबूत करना था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में गांधी ने कहा कि नेताओं को राजनीतिक रणनीति के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए और ऐसा कुछ भी नहीं करना या कहना चाहिए जो पार्टी लाइन के अनुरूप न हो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुशासन, एकता सुनिश्चित करने और पार्टी की केरल इकाई को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरने पर जोर दिया था। खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन, लोकसभा सदस्य शशि थरूर और प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल थे।

पंत के लिये टीम से बाहर रहना काफी कठिन है

दुबई (एजेंसी)। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा कि स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिये चैम्पियंस ट्रॉफी मैच बाहर से देखना कठिन है लेकिन इस स्तर पर खेल की यही प्रकृति है। पिछले दो ग्रुप मैचों में पंत अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं जबकि केएल राहुल ने विकेटकीपिंग की है। उन्होंने मध्यक्रम में अच्छी बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। डोइशे ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा ,'' ऋषभ के लिये बाहर रहना काफी कठिन रहा है। लेकिन इस स्तर पर खेल का यही स्वभाव है।'' उन्होंने कहा ,'' केएल का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उसे ज्यादा मौके नहीं मिले चूंकि हमें ऋषभ को तैयार रखना था। हमें नहीं पता कि कब उसकी जरूरत पड़ जाये। लेकिन दो बेहतरीन विकेटकीपर टीम में होना अच्छा है।'' डोइशे ने स्वीकार किया कि रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच दोनों टीमों के स्पिनरों का मुकाबला होगा। उन्होंने कहा ,'' न्यूजीलैंड के पास भी चार स्पिनर है लिहाजा यह स्पिनरों का मुकाबला होगा। टूर्नामेंट से पहले हमने सोचा नहीं था कि स्पिनरों की इतनी बड़ी भूमिका होगी। लेकिन उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और पिच से भी मदद मिली। मुझे यकीन है कि अगले मैच में भी ऐसा ही होगा।

अफगानिस्तान अगले दशक में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकता है-डेल स्टेन

नयी दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना ??है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है। अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था।

अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है। स्टेन ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकेंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं।''

उन्होंने कहा, ''संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।

''स्टेन ने कहा, ''वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में बल्लेबाजी में ही क्रीज पर इतनी अधिक हलचल होती क्योंकि वे छक्का मारने की कोशिश करते हैं और वे पारी को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।''

अफगानिस्तान की टीम इंग्लैंड को हराने के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन तरफा मुकाबले में थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से पहले मैच में हारने और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनल के बारिश की भेंट चढ़ने से उसे काफी नुकसान हुआ।

आंकड़ों के हिसाब से अफगानिस्तान की टीम अब भी क्वालीफाई कर सकती है, अगर इंग्लैंड की टीम शनिवार को दक्षिण अफ्रीका पर बड़े अंतर से जीत दर्ज कर ले। लेकिन इसकी संभावना कम है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका का नेट रेट 2.140 है जो अफगानिस्तान के माइनस 0.990 से काफी बेहतर है।

करुण नायर ने सेंचुरी जड़कर रणजी ट्रॉफी में मचाया गदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदर्भ और केरल के बीच रणजी ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन कर करुण नायर ने गदर मचा दिया है। विदर्भ का हिस्सा नायर ने केरल के खिलाफ फाइनल मुकाबले के चौथे दिन दूसरी पारी में शतक ठोक दिया। उन्होंने शनिवार को 184 गेंदों में सेंचुरी कंप्लीट की, जिसमें सात चौके और 2 छक्के शामिल हैं।

ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का 23वां शतक है। नायर ने नागपुर के मैदान पर सेंचुरी जड़ने के बाद गदर सेलिब्रिशन किया। इस दौरान उन्होंने दोनों हाथ की उंगलियों से 9 का इशारा किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करुण नायर ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच 2017 में खेला था। उन्होंने भारत के लिए 6 टेस्ट और दो वनडे खेले हैं। वह तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। वहीं नायर ने 2024-25 के सीजन में घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में गजब का प्रदर्शन किया है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार बल्ले से छाप छोड़ रहा है। करुण ने वनडे फॉर्मेट में आयोजित होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में 9 मैचों में 389.5 की औसत से 770 रन बटोरे। उन्होंने सीजन में पांच शतकीय और एक अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने टी20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सीजन में 6 मैचों में 42.5 की औसत से 255 रन जुटाए, जिसमें तीन फिफ्टी हैं।

वहीं नायर ने रणजी ट्रॉफी में 9 मैचों में 55 से ज्यादा की

करुण नायर की विदर्भ अपने तीसरे खिताब के बेहद नजदीक

नई दिल्ली। केरल टीम पहली पारी में 342 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद आज विदर्भ दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी। विदर्भ की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने 7 रन की भीतर 2 विकेट खो दिए। दूसरे ओवर की पहली गेंद पर जलज सक्सेना ने पार्थ रेखाडे को बोल्ड किया।

करुण नायर के शतक की बदौलत विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में दूसरी पारी में अच्छी खासी बढ़त बना ली है। नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में विदर्भ का सामना केरल से हो

रहा है। चौथे दिन के खेल समाप्ति तक विदर्भ ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 249 रन बना लिए हैं। विदर्भ के पास 286 रन की बढ़त है।

तीसरे दिन स्टंप तक केरल टीम पहली पारी में 342 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद आज विदर्भ दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी। विदर्भ की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने 7 रन की भीतर 2 विकेट खो दिए। दूसरे ओवर की पहली गेंद पर जलज सक्सेना ने पार्थ रेखाडे को बोल्ड किया। पार्थ ने 5 गेंदों का सामना किया और 1 रन बनाया।

वहीं अगले ही ओवर में एमडी निधिश ने दूसरे सलामी बल्लेबाज ध्रुव शौरी का विकेट चटकाया। ध्रुव शौरी ने 6 गेंदों का सामना किया और 5 रन बनाए। 2 विकेट जल्दी गिरने के बाद पहली पारी के हीरो दानिश मालेवार करुण नायर के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 182 रन जोड़े। 60वें ओवर में अक्षय चंद्रन ने दानिश मालेवार को सचिन बेबी के हाथों कैच आउट कराया। दानिश ने 162 गेंदों का सामना किया और 73 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बाहर हो सकते हैं मोहम्मद शमी

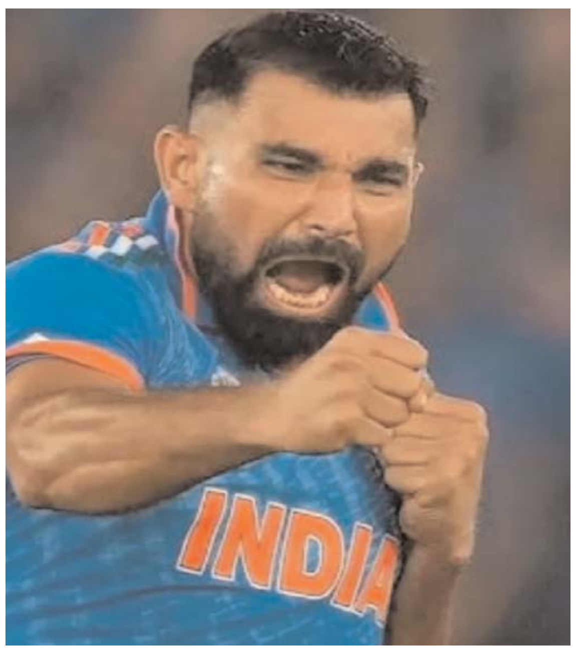

नई दिल्ली। टीम इंडिया प्रबंधन रविवार, 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मैच में मोहम्मद शमी की जगह अर्शदीप सिंह को मौका दे सकता है। न्यूजीलैंड की टीम में पांच बाएं बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मोहम्मद शमी को आई हल्की चोट के कारण टीम मैनेजमेंट ये फैसला कर सकता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच ये मुकाबला चैंपियंस का आखिरी लीग मैच है। शुक्रवार को अभ्या सत्र को संकेत माने तो पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप इस मैच में शमी की जगह खेल सकते हैं। उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले। शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ 6 सात ओवर फेंके। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को पिंडली में हल्की परेशानी हुई थी। पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी के मैच में शमी को तीसरे ओवर के बाद ही फिजियो से दाहिने पैर में इलाज कराना पड़ा था। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के हावभाव से लग रहा था कि भारत सेमीफाइनल से पहले शमी को ब्रेक दे सकता है। केएल राहुल ने मीडिया को बताया कि विजयी संयोजन में बदलाव होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है लेकिन सहायक कोच टेन डोइशे ने शाम को संकेत दिया कि गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हो सकता है।

अय्यर ने नेट गेंदबाज जसकीरन सिंह को गिफ्ट किए जूते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम अभी दुबई में है। उसे अपना अगला मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के साथ खेलना है। इस बीच आईसीसी द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुने गए एक नेट गेंदबाज का श्रेयर अय्यर ने दिन बना दिया है। अय्यर अभी टीम के लिए चौथे क्रम पर बहुत बढ़िया बैटिंग कर रहे हैं।

उन्होंने आईसीसी क्रिकेट अकादमी में अभ्यास के समय नेट गेंदबाज जसकीरन सिंह को जूते गिफ्ट किए हैं। जसकीरन सिंह पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और क्रिकेट से बहुत लगाव रखते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई अनुसार जसकीरन लॉन्ग-ऑन पोजीशन पर फील्डिंग कर रहे थे, तभी श्रेयस अय्यर उनके पास आए और पूछा कि पाजी क्या हाल-चाल? सब बढ़िया। श्रेयस भाई मेरे पास आए और पूछा कि मेरे जूते का साइज कितना है? मैंने कहा 10, श्रेयस ने कहा कि उनके पास मेरे लिए कुछ है, तभी उन्होंने मुझे जूते गिफ्ट किए।

ये लम्हा मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपको याद दिला दें कि चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के दौरान जसकीरन सिंह पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी नेट्स में गेंदबाजी कर चुके हैं। वो ऑफ-स्पिन गेंदबाजी करते हैं। जसकीरन तब बहुत निराश हो गए थे जब उन्हें भारतीय टीम को नेट्स में बॉलिंग करने का मौका नहीं मिला था।

रोहित शर्मा के पास सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने का मौका

नई दिल्ली। रविवार, 2 मार्च दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। ये मुकाबला दोनों टीमों के लिए ये मुकाबला औपचारिकता भर है क्योंकि दोनों टीमें पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। वहीं इस मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा भी सचिन तेंदुलकर के एक बड़े रिकॉर्ड के मामले में पीछाड़ सकते हैं।

दरअसल, रोहित शर्मा के पास सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान के रूप में सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका होगा। रोहित शर्मा को सचिन से आगे निकलने के लिए 68 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर ने 73 मैचों में 37.75 के औसत से 2454 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान 6 शतक और 12 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित शर्मा बतौर कप्तान 53 वनडे मैचों में 53.04 की औसत और 113.50 की स्ट्राइक रेट से 2387 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं। रोहित ने पांच शतक और 16 फिफ्टी जड़ी हैं। भारत के दिग्गज एमएस धोनी लिस्ट में टॉप पर हैं। धोनी ने 6641 रन बनाए हैं। इसके बाद विराट कोहली (5549) हैं।

इसके बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन (5239), सौरव गांगुली (5082),

मुंबई इंडियंस को दिल्ली ने दी करारी शिकस्त, 9 विकेट से जीता मैच, पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। डब्लूपीएल 2025 के मैच के एकतरफा मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हरा दिया है। इस बड़ी जीत के साथ दिल्ली की टीम ने एक बार फिर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कब्जा जमा लिया है। इस मैच में मुंबई की टीम पहले खेलते हुए केवल 123 रन बना पाई थी। इस छोटे लक्ष्य को दिल्ली ने 33 गेंद शेष रहते 9 विकेट से जीत लिया है।

दिल्ली के लिए कप्तान मेग लैनिंग ने नाबाद 60 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने भी 43 रनों की तूफानी पारी खेली। इस मैच में मुंबई की टीम ने पहले खेलते हुए पहले बैटिंग चुनी थी। इसके बाद एमआईकी टीम शुरुआत से ही संघर्ष करती दिखी। एक समय मुंबई ने 2 विकेट के नुकसान पर 73 रन बना लिए थे। यहां

से मुंबई के लिए विकेटों का पतझड़ शुरू हुआ। मुंबई टीम ने अपने आखिरी 8 विकेट 50 रन के भीतर गंवा दिए थे। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने केवल एक विकेट के नुकसान पर 124 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। मैच शुरु होने के कुछ समय बाद ही दिल्ली के लिए जीत की नींव गेंदबाजों ने ही रख दी थी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेस जोनासन ने 4 ओवर में केवल 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे। उनके अलावा मीनू मानि ने भी 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाते हुए मुंबई इंडियंस की टीम को बैकफुट पर भेजा। शिखा पांडे और एनाबेल सदरलैंड ने एक-एक विकेट लिया।

डब्ल्यूपीएल में दो बार की फाइनलिस्ट टीम दिल्ली कैपिटल्स अब डब्लूपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में 6 मैचों में चार जीत के बाद टॉप पर पहुंच गई है। दिल्ली के अब 8 अंक हो गए हैं, दूसरी ओर मुंबई 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर विराजमान है। मेग लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली लगातार तीसरा फाइनल खेलने की तरफ अग्रसर हो चली है।

ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल से पहले झटका, ये खिलाड़ी हो सकता है नॉकआउट मैच से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम को अपनी ओपनिंग जोड़ी में बदलाव करना पड़ेगा, जिसमें ट्रैविस हेड और मैथ्यू शॉर्ट शामिल थे। दरअसल, मैथ्यू शॉर्ट चोटिल होने के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं। वे अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में बल्लेबाजी करते समय संघर्ष करते दिखे। वहीं मैच के बाद कप्तान स्टीव स्मिथ ने भी इस बात की जानकारी दी थी कि वे पूरी तरह से फिट नहीं हैं। यही वजह है कि ट्रैविस हेड के साथ एक नया ओपनर नजर आ सकता है।

ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए अपने टॉप क्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। मैथ्यू शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ क्वाड इंजरी का सामना करना पड़ा। ऐसे में उनकी जगह ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत युवा ओपनर जैक फ्रेजर मैकगर्क करते दिख सकते हैं। शॉर्ट को अफगानिस्तान की पारी के अंत में चोट लगी थी। हालांकि, उन्होंने ट्रैविस हेड के सात पारी की शुरुआत की थी, लेकिन विकेटों के बीच संघर्ष करते दिखे थे। ऐसे में उन्होंने ज्यादातर बाउंड्री लगाने की कोशिश की थी, लेकिन सिर्फ 15 गेंदों में 20 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा कि, मुझे लगता है कि वह संघर्ष कर रहा होगा। मुझे लगता है कि हमने आज रात देखा कि वह बहुत अच्छी तरह से चल नहीं पा रहा था। मुझे लगता है कि मैचों के बीच का समय कम है और शायद उस हिसाब से वह बहुत जल्दी ठीक होने वाला नहीं है। ऐसे में जैक फ्रेजर मैकगर्क उनके लिए लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट हैं।

सनातन धर्म की कथा जीवन को जीने की प्रेरणा देती है: मुख्यमंत्री

विधायक विक्रम सिंह द्वारा कराई जा रही शिवमहापुराण कथा में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को सतना जिले के रामपुर बघेलान में व्यास पीठ पर विराजित राजगुरु बद्री प्रपन्नाचार्य जी और पोडी धाम के स्वामी वल्लभाचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और शिव महापुराण की कथा का श्रवण किया। रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह और शिवांगी सिंह द्वारा स्व. हर्ष नारायण सिंह पूर्व मंत्री की पुण्य तिथि पर रामपुर बघेलान में 25 फ़रवरी से 5 मार्च तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने स्व. हर्ष नारायण सिंह जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सनातन धर्म की कथा जीवन को अच्छी तरह से जीने की प्रेरणा देती है। सनातन धर्म में 18 पुराणों में सर्वश्रेष्ठ शिव पुराण को माना जाता है। काल के देवता महाकाल हैं और एक ही महादेव हैं, जिन्हें देवता और असुर समान रूप से पूजकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत देश का यह काल स्वर्णिम समय है जब अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर जगमगा रहा है। वहीं महाकुंभ में देश-विदेश के करोड़ों लोगों ने परिस्नान कर पुण्य लाभ लिया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ और कथा जैसे धार्मिक समागम हमारी ऊर्जा और सनातन प्राचीन संस्कृति से जोड़ने के अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अंदर जहां-जहां भगवान राम और कृष्ण की लीलाएं हुई हैं। उन सभी स्थानों को जगमगाने का संकल्प सरकार ने लिया है। चित्रकूट धाम भी अयोध्या की तरह जगमगाएगा। आगामी समय में मध्यप्रदेश देश का सबसे सुंदर और अच्छा राज्य बनेगा।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, विधायक विक्रम सिंह, सुरेंद्र सिंह गहरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, लक्ष्मी यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य जन उपस्थित रहे।

महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी के निर्माणाधीन बाड़ों का कार्य शीघ्र पूर्ण करें: उप मुख्यमंत्री

सफेद बाघ के नर शावक का नाम रखा मोहन

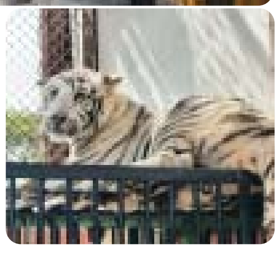

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी के निर्माणाधीन बाड़ों का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं ताकि वहाँ विभिन्न प्रजातियों के जीवों को रखा जा सके। उन्होंने सरीसृप प्रजाति के लिए बनाए जा रहे रेप्टाइल हाउस के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का भ्रमण कर ग्वालियर से लाए गए व्हाइट टाइगर शावक को उत्साहपूर्वक देखा। उन्होंने ग्वालियर जू से लाये गये सफेद नर बाघ शावक का नाम विंध्य क्षेत्र के सफेद बाघ के पितामह मोहन के नाम को जीवंत रखने के उद्देश्य से इस सफेद बाघ शावक का नाम पुनः मोहन के रूप में नामकरण किया। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन रेप्टाइल हाउस के निरीक्षण के दौरान सर्प की प्रजातियों और उनके रहवास से संबंधित जानकारी भी ली। उप मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड एवियरी बाड़े का भ्रमण कर रंग-बिरंगे परिंदों को भी देखा। इस अवसर पर वन मण्डलाधिकारी सतना ने व्हाइट टाइगर सफारी में निर्माणाधीन कार्यों तथा प्रस्तावित कार्यों के बारे में उप मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष रीवा नीता कोल, नगर पालिक निगम रीवा के अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, जिला पंचायत सतना के वन समिति के सभापति हरीशकांत त्रिपाठी, सीसीएफ राजेश राय, डीएफओ सतना मयंक चांदीवाल, विवेक दुबे, राजेश पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी उपस्थित रहे।

रामपुर बघेलान पहुंचने पर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सतना जिले के रामपुर बघेलान हेलीपैड पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, एसडीएम आरएन खरे सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

5 साल बाद पहुंचे धारकुंडी आश्रम सच्चिदानंद महाराज

स्पेशल विमान से आए चित्रकूट, भक्तों ने पुष्प वर्षा से किया स्वागत

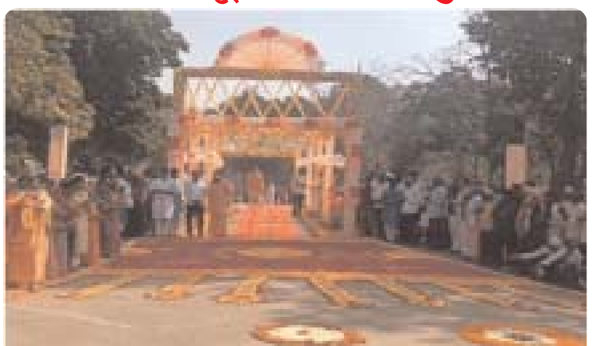

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के धारकुंडी आश्रम में परमहंस सच्चिदानंद महाराज 5 साल 8 माह के बाद रविवार को पहुंचे। महाराज श्री बदलापुर महाराष्ट्र स्थित अपने आश्रम से स्पेशल विमान से सुबह साढ़े 9 बजे यूपी के चित्रकूट स्थित देवांगना एयरपोर्ट आए।

एयरपोर्ट पर पूर्व विधायक नीलांशु चतुर्वेदी ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। वहां से वे सड़क मार्ग से मानिकपुर होते हुए साढ़े 10 बजे धारकुंडी आश्रम पहुंचे। मार्ग में भक्त और अनुयायी कलश लेकर सड़क किनारे खड़े रहे और महाराज श्री के दर्शन किए। आश्रम को फूल मालाओं से सजाया गया था। हजारों की संख्या में भक्त महाराज के दर्शन के लिए पहुंचे। भक्तों ने पुष्प वर्षा और पटाखों से स्वागत किया।

सुरक्षा में 80 पुलिस जवान तैनात: भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देश पर चित्रकूट एसडीओपी रोहित राठौर के नेतृत्व में 80 पुलिस जवान तैनात किए गए। आश्रम प्रबंधन ने बताया कि अगले 3 दिन तक श्रद्धालुओं को महाराज के दर्शन नहीं होंगे। उसके बाद रोजाना सुबह और शाम महाराज जी के भ्रमण के दौरान भक्त दर्शन कर सकेंगे।

राज्यमंत्री की पहल पर घायल कीर्ति पामो को मिलेगी एयरलिफ्ट की सुविधा

मुख्यमंत्री ने हर संभव मदद का दिया आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के विशेष प्रयास से सतना-अमरपाटन में सडक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तेलंगाना की हैदराबाद निवासी डॉ. कीर्ति पामो को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सतना-रीवा-जबलपुर होते हुए हैदराबाद तक एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलेगी। महाकुंभ से लौटते समय हैदराबाद निवासी डॉ. कीर्ति अमरपाटन के पास सडक दुर्घटना में घायल हो गई थी।

जिनका इलाज पूजा क्रिटिकल केयर, न्यूरा एण्ड ट्रामा हास्पिटल सतना में चल रहा है। परिजनों की मांग पर राज्यमंत्री बागरी ने रामपुर बघेलान पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव से परिजनों से भेंट कराई और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद एयर लिफ्ट करने सहायता करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें चिकित्सा के लिए पूर्ण सुविधा देने के अलावा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने हास्पीटल पहुंचकर डॉ. कीर्ति पामो से भेंटकर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया।

लापता हुई 4 छात्राएं कटनी में मिलीं

जिस पर आरोप उसी के घर मिलीं नाबालिग लड़कियां, स्कूल ड्रेस भी बदलवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। टिकुरिया टोला से शनिवार को लापता हुई 8वीं कक्षा की 4 छात्राएं कटनी में मिली । छात्राएं परीक्षा देने के बाद लापता हुई थीं।

जानकारी के अनुसार, एक छात्रा के बहकावे में तीन अन्य छात्राएं उसके साथ चली गईं। छात्राएं पहले भुजवा मोहल्ला पहुंचीं और वहां से ऑटो में बैठकर सतना रेलवे स्टेशन गईं। स्टेशन पर एक लड़का उनके संपर्क में था। उसी ने चारों छात्राओं को कटनी जाने वाली ट्रेन में बिठाया।

जिस मामा पर आरोप लगाए, वहीं मिली छात्राएं मामले में सबसे बड़ी बात यह है कि जिस छात्रा का सुसाइड नोट मिला था, उसमें जिस मामा पर आरोप लगाए गए थे, छात्राएं उसी के पास कटनी में मिलीं। मामा ने सभी छात्राओं को अपने घर ले जाकर उनकी स्कूल ड्रेस भी बदलवा दी। यह बात संदेह पैदा करती है कि मामा को कैसे पता चला कि बच्चियां कटनी में हैं।

एक छात्रा की मां ने बताया कि देर रात मामा का फोन आया। उसने पूछा कि जब सभी बच्चियां उसके पास हैं, तो गुमशुदगी की रिपोर्ट क्यों दर्ज कराई गई। छात्राएं रविवार सुबह 6 बजे परिजनों के साथ सतना पहुंच गईं। पुलिस अब छात्राओं के बयान दर्ज कर रही है। अन्य छात्राओं के परिजन भी मामा की भूमिका पर आपत्ति जता रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

शिवमहापुराण कथा में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

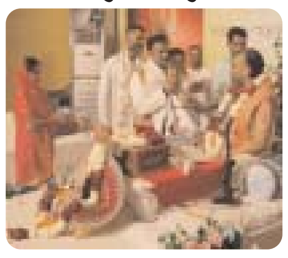

सतना। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को सतना जिले के प्रवास के दौरान दुर्गाजी मंदिर परिसर, थाना के पास रामपुर बघेलान में विधायक विक्रम सिंह द्वारा कराई जा रही शिवमहापुराण कथा में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस अवसर पर व्यास पीठ पर विराजित राजगुरु बद्री प्रपन्नाचार्य जी से आशीर्वाद प्राप्त किया और शिव महापुराण की कथा का श्रवण किया। रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह और शिवांगी सिंह द्वारा स्व. हर्ष नारायण सिंह पूर्व मंत्री की पुण्य तिथि पर रामपुर बघेलान में 25 फ़रवरी से 5 मार्च तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्व. हर्ष नारायण सिंह जी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

4 मोबाइल मेडिकल यूनिट सतना में शुरू

गांव-गांव जाकर करेंगें मुफ्त इलाज, ग्रामीण लोगों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब मरीजों को अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। रविवार को सांसद गणेश सिंह ने 4 मोबाइल चिकित्सा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये वाहन निःशुल्क चलित अस्पताल के रूप में काम करेंगे। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हर वाहन में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफतैनात रहेगा।

गेल इंडिया के सहयोग से मिली इन मोबाइल यूनिटों को एक निश्चित रूट चार्ट के अनुसार गांव-गांव भेजा जाएगा। सीएमएचओ डॉक्टर एल के तिवारी के अनुसार, इन चलित अस्पतालों का साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

ये मोबाइल यूनिट न केवल मरीजों का प्राथमिक उपचार करेंगी, बल्कि उनकी नियमित जांच भी करेंगी। सांसद गणेश सिंह ने बताया कि इन यूनिटों को खासतौर पर उन इलाकों में भेजा जाएगा, जहां के लोगों को अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। यह पहल अस्पताल आपके द्वार की अवधारणा पर आधारित है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज रामपुर बघेलान आयेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर 3 मार्च को सायं 4.15 सतना जिले के रामपुर बघेलान आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सायं 5 बजे रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह द्वारा कराई जा रही शिवमहापुराण कथा स्थल दुर्गाजी मंदिर परिसर, थाना के पास रामपुर बघेलान में पहुंचकर शामिल होंगे। इसके बाद तोमर सायं 7 बजे सर्किट हाउस सतना पहुंचकर जनप्रतिनिधियों से भेंट करने के उपरांत रात्रि 8.40 बजे सतना से महाकौशल एक्सप्रेस द्वारा ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगे।

जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल एवं संस्कृत आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 9 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला स्तरीय उत्कृष्ट/मॉडल स्कूलों एवं संस्कृत आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए परीक्षा 9 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट (एउचेवेण्दपबण्पद) पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपने प्रवेश पत्र समय पर डाउनलोड करें और निर्धारित तिथि एवं समय पर परीक्षा में सम्मिलित हों।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब, 362 जोड़ों ने लिए सात फेरे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत जनपद पंचायत रामपुर बघेलान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन रविवार को हनुमानगंज स्थित लाल चन्द्रकांत स्टेडियम रामपुर बघेलान में किया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 1 निकाह सहित 362 जोडों का विवाह संपन्न कराया गया। समारोह में विधायक विक्रम सिंह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, जनपद उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा, बाबूलाल सिंह, जनपद उपाध्यक्ष अखिलेश शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप दुबे सहित जनपद कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वर-वधुओं को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता और उपहार भेंट प्रदान की गई। आयोजन के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हिंदू और मुस्लिम जोड़ों के विवाह संपन्न कराए गए। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी राहत साबित हो रही है। यह योजना समाज में सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। समारोह में बडी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू ने आभार व्यक्त किया।

मझगवां में मुख्यमंत्री कन्या विवाह सामूहिक कार्यक्रम में 270 जोड़ों ने लिए सात फेरे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनपद पंचायत मझगवां में क्रांतिनगर स्थित मारकण्डेय पैलेस में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस भव्य आयोजन में 270 जोड़ों ने सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह मुख्य अतिथि और चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी देवी मवासी, प्रियंका वर्मा, सावित्री देवी त्रिपाठी, संजय सिंह, जनपद अध्यक्ष रेणुका जायसवाल जनपद उपाध्यक्ष सुनील पाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुलभ सिंह पुषाम सहित जनपद कार्यालय के सभी कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वर-वधुओं को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता और उपहार सामग्री प्रदान की गई। आयोजन के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हिंदू जोड़ों के विवाह संपन्न कराया गया। समारोह में भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों सहित जनप्रतिनिधि एवं दूल्हे-दुल्हन के साथ आये सैकडों बारातियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

50 से ज्यादा अवैध वेंडर मुड़वारा रेलवे स्टेशन में सक्रिय

ट्रेन आते ही सक्रिय हो जाते हैं, अधिकारी बोले- समय-समय पर होती है कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, कटनी (निप्र)। मुड़वारा रेलवे स्टेशन पर 50 से ज्यादा अवैध खाद्य विक्रेता सक्रिय हैं। ये बिना किसी मेडिकल कार्ड और पुलिस वेरिफिकेशन के यात्रियों को खाद्य सामग्री बेच रहे हैं।

रेलवे नियमों के अनुसार, स्टेशन पर खाद्य सामग्री बेचने के लिए विक्रेताओं को तीन जरूरी दस्तावेज मेडिकल कार्ड, पहचान पत्र और पुलिस वेरिफिकेशन होना चाहिए, लेकिन कई विक्रेता सिर्फ आई कार्ड बनवाकर खुद को वैध बताते हैं।

ये अवैध विक्रेता मुख्य रूप से सामान्य बोगी में रहते हैं। ये ना सिर्फ तय मूल्य से अधिक कीमत वसूलते हैं, बल्कि यात्रियों से अभद्र व्यवहार भी करते हैं। आरपीएफ समय-समय पर कार्रवाई करती है और जुर्माना भी लगाती है, लेकिन विक्रेता जुर्माना भरकर फिर से वही काम शुरू कर देते हैं। स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य के.के. दुबे के अनुसार, अवैध विक्रेताओं पर लगातार कार्रवाई की जाती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।